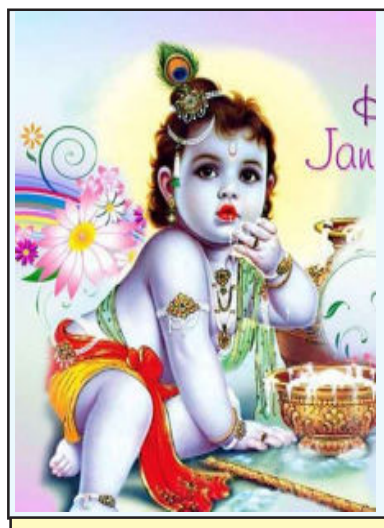

मंगलीय साप्ताहिक

RNI NO.HARHIN 2006/19095

गुड़गांव टाइम्स

Web: www.gurgaontimes.in,
E-mail : gurgaontimes2004@gmail.com

नई सोंच नई पहल

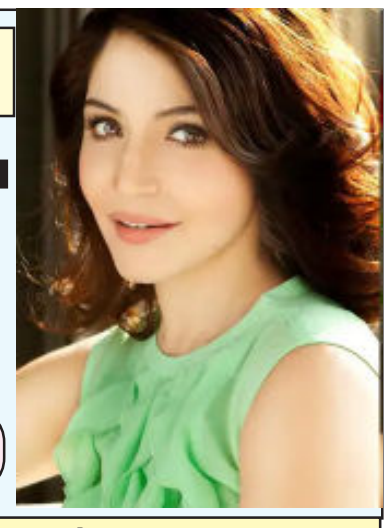

वर्ष-19 अंक-04 | गुरूग्राम, मंगलवार 23 अगस्त से 29 अगस्त 2022 | मूल्य- 2 रूपये | पृष्ठ- 8

कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में सम्मिलित हुए CM योगी, बोले- हम एक सशक्तधरोहर के साथ जुड़े हैं

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन पंच प्राणों के साथ जुड़ने का संकल्प लेने के लिए कहा उसमें भारत को दुनिया का एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहला आयोजन होगा जिसको पुलिसकर्मी सामूहिक रूप से मनाते हैं। इस आयोजन के साथ जुड़कर हर व्यक्ति ये अहसास कराता है कि हम एक बहुत सशक्त धरोहर के साथ जुड़े हुए हैं और उस धरोहर को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कृष्ण जन्मभूमि का दौरा किया और पूजा–अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री मथुरा में एक जन्माष्टमी कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रम के साथ–साथ अन्नपूर्णा भोजनालय के शुभारंभ कार्यक्रम में जुड़ने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जितने भी हमारे धाम और तीर्थ हैं उन सबके विकास के साथ इनके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

नीतीश कुमार के हेलीकाप्टर की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हेलीकॉप्टर की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग हुई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, नीतीश कुमार प्रदेश में सूखे प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के लिए निकले थे लेकिन मौसम खराब होने की वजह से हेलीकॉप्टर की गया में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। नीतीश कुमार समेत हेलीकॉप्टर में सवार तमाम लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हेलीकॉप्टर की मौसम खराब होने की वजह से गया में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। मुख्यमंत्री प्रदेश में सूखे की स्थिति का जायजा लेने निकले थे। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद नीतीश कुमार सड़क मार्ग से पटना लौट गए हैं। हालही में नीतीश कुमार ने एनडीए से नाता तोड़कर महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार का गठन किया। ऐसे में नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद 16 अगस्त को मंत्रिमंडल का विस्तार भी हो गया। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मंत्री कार्तिकेय सिंह और लेशी सिंह को लेकर घमासान मचा हुआ है।

मुंबई के बोरीवली में 4 मंजिला इमारत गिरी

एजेंसी, मुंबई के बोरीवली (पश्चिम) इलाके में शुक्रवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक साईंबाबा मंदिर के पास साईंबाबा नगर में गीतांजलि बिल्डिंग दोपहर 12 बजकर 34 मिनट पर ढह गई। हालांकि इमारत को बहुत पहले ही खाली और जीर्ण–शीर्ण घोषित कर दिया गया था, लेकिन कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। मेट्रोपॉलिटन फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज बोर्ड और पुलिस कर्मियों को बुलाया गया है और उन्होंने बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

ओडिशा में बाढ़ से भयावह हालात

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने कम दबाव वाले क्षेत्र के, दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने के कारण राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के मद्देनजर शुक्रवार को तटीय जिलों के लिए 'हाई अलर्ट' जारी किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष राहत आयुक्त पी. के. जेना ने बताया कि महानदी बेसिन क्षेत्र में फिर बारिश होने से पहले ही बाढ़ की मार झेल रहे क्षेत्रों में स्थिति और खराब हो गई है। राज्य सरकार ने जिला प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को मदद मुहैया कराने को कहा है। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि दबाव क्षेत्र के चलते भारी बारिश के कारण जगतसिंहपुर तथा रायगढ़ जिलों और उत्तरी क्षेत्र के सुवर्णरेखा बेसिन के कुछ इलाकों में बाढ़ आ गई। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, जगतसिंहपुर जिले में रात भर में 107 मिमी बारिश दर्ज की गई। पूर्व–मध्य बंगाल की खाड़ी के उत्तर–पूर्व और आस–पास के क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया। वह अभी बालासोर से लगभग 310 किमी पूर्व–दक्षिण पूर्व में केंद्रित है। विभाग के अनुसार, इसके गहरे दबाव क्षेत्र में तब्दील होने की संभावना है और शाम को बालासोर तथा सागर द्वीप समूह से होकर पश्चिम बंगाल और ओडिशा तट को पार करने की संभावना है। यह ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में पश्चिम–उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखेगा और उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ते हुए धीरे–धीरे कमजोर होगा। ओडिशा सरकार ने इस पूर्वानुमान के मद्देजनर जिले के अधिकारियों को स्थिति पर नजर रखने को कहा है। बालासोर, भद्रक और मयूरभंज जिलों के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण नदियों में पानी बढ़ सकता है। संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में बाढ़ आने, मिट्टी धंसने और भूस्खलन होने की आशंका है, जिससे कुछ अतिसंवेदनशील सड़कों और मकानों को नुकसान पहुंच सकता है। केंद्रापड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल और अंगुल समेत 12 जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। झारसुगुड़ा, बरगढ़, कालाहांडी, कंधमाल, गंजम, नयागढ़, खुर्दा और पुरी के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। मछुआरों को शनिवार तक समुद्र में न जाने को कहा गया है। राज्य सरकार के अनुसार, हीराकुंड जलाशय में पानी की मात्रा सुबह आठ बजे 622.37 फुट थी, जबकि इसमें कुल 630 फुट पानी ही आ सकता है। राज्य में आई बाढ़ से अभी तक 13 जिलों में पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

कर्नाटक में CM पद की कीमत 2500 करोड़ रुपए, कांग्रेस नेता ने लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ग्रैंड ओल्ड पार्टी श्कांग्रेसश ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आक्रामक रुख अख्तियार किया हुआ है। इसी बीच कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने शुक्रवार को बड़ा दावा किया कि मुख्यमंत्री पद बहुत महंगा मामला है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया था कि मुख्यमंत्री पद की कीमत 2,500 करोड़ रुपए है। अंग्रेजी समाचार वेबसाइट श्एनडीटीवीश की रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए बहुत अधिक उम्मीदवार हैं और इसमें बड़ी रकम शामिल है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, किसी को भी 2,500 करोड़ रुपए खर्च करने चाहिए। आपको बता दें कि बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की अटकलें एक महीने से भी ज्यादा समय से लगाई जा रही हैं, लेकिन यह पहली दफा है जब किसी कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री का पद के लिए पैसे देने पड़ते हैं। राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि लिंगायत समुदाय के प्रभावशाली नेता बीएस येदियुरप्पा को संसदीय पैनल में शामिल किए जाने के बाद भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व बसवराज बोम्मई को दरवाजा दिखा सकता है। हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अरुण सिंह ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा अगले साल बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। अरुण सिंह ने कहा कि बसवराज बोम्मई को हटाने का कोई सवाल ही नहीं है। हमारे नेतृत्व ने उन पर पूरा भरोसा जताया है। वह निश्चित रूप से अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री और बसवराज बोम्मई के एक अन्य वफादार अश्वत नारायण ने भी दोहराया कि बसवराज बोम्मई चुनाव तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। एनडीटीवी ने भाजपा के शीर्ष सूत्रों के हवाले से बताया कि आलाकमान संसदीय समिति में लिंगायत नेता बीएस येदियुरप्पा और वोक्कालिगा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री के साथ लिंगायत–वोक्कालिगा वोट को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। कर्नाटक के मतदाताओं में लिंगायत की 18 फीसदी, जबकि वोक्कालिगा की 15 फीसदी हिस्सेदारी है।

काले झंडों-अंडों के साथ मेरे खिलाफ विरोध या 'राज्य प्रयोजित': सिद्धरमैया

एजेंसी

चिकमगलुरु। कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने कर्नाटक में कोडागु दौरे के दौरान उनकी कार पर अंडे फेंके जाने और काले झंडे दिखाये जाने की घटना के एक दिन बाद शुक्रवार को इस तरह के विरोध को 'राज्य प्रायोजित' करार दिया। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सिद्धरमैया ने आरोप लगाया कि उनकी कार पर अंडे फेंकने वाले लोग एक 'ऐसे संगठन से थे जिससे महात्मा गांधी का हत्यारा नाथूराम गोडसे का संबंध' था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि क्या ऐसे लोग उन्हें बख्शेंगे, क्योंकि वह उनके खिलाफ बोल रहे थे। सिद्धरमैया ने कहा, ''कल तितिमती में करीब 10 युवक नारे लगा रहे थे, उसके बाद चार जगहों पर वे एकत्र हो गए थे, क्या पुलिस उन्हें नहीं रोक सकती थी? अगर मुख्यमंत्री आते हैं, तो क्या वे लोगों को काले झंडे के साथ विरोध करने देंगे? क्या वे एहतियाती गिरफ्तारी नहीं करेंगे?'' उन्हें पूछा कि पुलिस अधीक्षक (एसपी) को क्या परेशानी थी? पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 26 अगस्त को, वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कोडागु में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की घेराबंदी करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां कोई कानून–व्यवस्था नहीं थी और 'गलत मंशा' वाले अधिकारियों की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बजरंग दल के साथ मिलीभगत थी, जिससे इस घटना को होने दिया गया। उन्होंने कहा कि कल का राज्य प्रायोजित विरोध था। उन्होंने पूछा कि क्या वे लोग काले झंडे लेकर (विरोध) नहीं कर सकते? क्या उनके कार्यकर्ता मुख्यमंत्रियों के लिए ऐसा नहीं कर सकते? सिद्धरमैया ने कहा कि यह कायरतापूर्ण कार्य तब किया गया, जब वह बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने और किसानों की बात सुनने गये थे।

वो आया तो अन्य के वोट ग्राफ में अंतर आना संभावित

राकेश गर्ग, एक्सक्लूसिव

गुरूग्राम। प्रधान और प्रधान की चौधराहट। अवधि केवल चार माह। उसके बाद शुरूहोगी नए चौधरी की चौधराहट। ये चौधराहट संभालने के लिए दंगल में उतरने को तैयार है करीबछह उम्मीदवार। यह खास बात है कि सातवें के आने की अलग से उम्मीद। उसके आने पर किसकोकितनी होगी बेचौनी यह अलग बात है।बार एसोसिएशन गुरूग्राम के दिसम्बर माह में होने वाले चुनावों के लिए उम्मीदवारोंने दाम, दण्ड,भेद की प्रक्रिया अपनानी शुरू कर दी है। वायदा खिलाफी हो या ना हो लेकिनफिलवक्त वायदा ही वायदा को लेकर उतरने लग गए है उम्मीदवार। फिलवक्त चौधरी की चौधराहटपाने के लिए पराजित उम्मीदवार नवीन यादव,संभावित विनोद राव,नए उम्मीदवार अनुराग यादव,शायद अमरजीत यादव, सूर्यमणि महेश्वरी वा छठे उम्मीदवार हेंमत शर्मा के भी चुनाव लडनेकी उम्मीद है। हेमंत शर्मा वा विनोद राव तथा अमरजीत वक्त पर ही अपने पत्ते खोलने केमूंड में है। खास बात यह है कि एक अन्य सातवें उम्मीदवार के भी 95 फिसद चुनाव में लडनेकी उम्मीद ही नहीं यकिन है। अगर वे मैदान में आए तो कुछ उम्मीदवारों के वोटों के ग्राफमें अंतर आना संभावित है।सचिव के औहदे पर प्रीतम चौहान,राजेश यादव,संदीप सहरावत के चुनाव मैदान में आनेकी प्रबल संभावना है। अनूज सहरावत के पुनरू चुनाव लडने की उम्मीद कुछ ना के बराबर है।जबकि उपप्रधान के लिए देवेंद्र यादव,रजिया प्रवीण आदि साथ ही उप सचिव के लिए भी चारउम्मीदवारों ने चुनावी मैदान में उतरने का मन बना लिया है।

जीत-हार सभी परिस्थितियों में एक समान रहे कुशाभाऊ ठाकरे, शिवराज बोले- वो CM बनाते रहे पर खुद नहीं बने

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ठाकरे जी ने कृष्ण भगवान से कई सारी प्रेरणाएं ली होंगी। उन्होंने कहा कि आज जन्माष्टमी है। परम श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी का जीवन देखें, तो पाते हैं कि कुशाभाऊ जी का जीवन भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि कृष्ण भगवान ने कंस को मारा लेकिन खुद गद्दी पर नहीं बैंठे। कन्हैया बनाते रहे पर बने कभी नहीं। कुशाभाऊ ठाकरे जी ने भी दिन रात मेहनत कर संगठन खड़ा किया और सरकार में पार्टी को ले आए। वो मुख्यमंत्री बनाते रहें लेकिन खुद कभी नहीं बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपेक्षित अवसर न मिले तो मन दुखी होता है। मनभेद भी हो जाते हैं, लेकिन श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरेजी का जीवन देखें, तो उन्होंने कभी किसी पद के लिए विचार ही नहीं किया, जबकि कोई भी पद उनके व्यक्तित्व से बड़ा हो ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि जो हर परिस्थिति में एक समान हो वही मुझे प्रिय है। कुशाभाऊ ठाकरे जी का जीवन इस का अनुपम उदाहरण है। वह जीत–हार सभी परिस्थितियों में एक समान रहे और संगठन को गढ़ते रहे। उन्होंने कहा कि मुझे याद है जब डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहराने गए तब हजारों कार्यकर्ताओं के जोश को आदरणीय कुशाभाऊ ठाकरे जी के एक वाक्य ने अनुशासित कर दिया था। उनके आदेश पर सभी कार्यकर्ता अनुशासित हो गए थे। उन्होंने कहा कि परम श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी का जीवन संगठन को गढ़ने और कार्यकर्ताओं के संरक्षण के लिए समर्पित रहा। उनके साथ अनेकों स्मृतियां हैं, जब उन्होंने कार्यकर्ताओं के लिए स्वयं भी छोटा से छोटा काम करने में भी परहेज नहीं किया।

केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को तीसरी बार दिया गया सेवा विस्तार, 2023 तक पद पर बने रहेंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को एक बार फिर से सेवा विस्तार दिया है। उनका कार्यकाल 22 अगस्त, 2022 को समाप्त होने वाला था। ऐसे में केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय गृह सचिव को एक साल का सेवा विस्तार दिया। जिसके तहत अगस्त 2023 तक वो इस पद पर बने रहेंगे। इससे पहले पिछले साल 2021 में अजय कुमार भल्ला को सेवा विस्तार दिया गया था। अजय कुमार भल्ला 1984 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के असम–मेघालय कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। अजय कुमार भल्ला को अगस्त 2019 में केंद्रीय गृह सचिव के तौर पर नियुक्त किया गया था। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया कि सेवा विस्तार को कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने मंजूरी दे दी है। आपको बता दें कि अजय कुमार भल्ला का कार्यकाल पहली बार अक्टूबर, 2020 में 22 अगस्त, 2021 तक के लिए बढ़ाया गया था। इसके बाद अगस्त, 2021 और फिर अगस्त, 2022 में उन्हें एक बार फिर से एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है।

संपादकीय

मानवता की प्रार्थना

दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल भारत विभाजन की विभीषिका में जिन लाखों निर्दोष लोगों की जानें गईं, अब उनकी शहादत को गरिमा देना समय की पुकार है। इस सांप्रदायिक हिंसा में मारे गये लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिये मंगलवार को अकाल तख्त में पहली बार जिस विशेष 'अरदास समागम' का आयोजन किया गया, वह मानवता के प्रति हमारे दायित्वों का बोध कराता है। इस समागम में सभी संप्रदायों के लोगों ने भागीदारी की और मांग की गई कि भारत व पाकिस्तान की सरकारें कम से कम एक दिन अपनी संसद में शोक प्रस्ताव पारित करके विभाजन की त्रासदी के शिकार दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दें। निस्संदेह, जब दोनों देश आजादी के 75 साल पूरे कर रहे हैं तो ऐसी सार्थक पहल वक्त की जरूरत कही जा सकती है। निस्संदेह, विभाजन का दंश झेलने वाले इन लोगों ने दोनों देशों की आजादी की कीमत चुकाई है, जो एक मायने में आजादी के लिये शहादत का ही एक रूप है। जिनका भावपूर्ण स्मरण हमारा नैतिक दायित्व भी बनता है। निस्संदेह, ऐसी पहल हर इंसान को सोचने को विवश करेगी कि सांप्रदायिक संकीर्णताएं मानवता के लिये कितना बड़ा अभिशाप हैं। जो आपराधिक तत्वों को हिंसक कृत्य करने और स्वच्छंद व्यवहार करने का अवसर देती हैं। यह भी कि तत्कालीन राजनीतिक दलों ने अपने निहित स्वार्थों के लिये मानवता की रक्षा के दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं किया। हमारी आजादी के लिये इन लाखों लोगों ने कितनी बड़ी कीमत चुकाई, वह कल्पना से परे की बात है। सदियों से स्थापित जड़ों से उखड़कर कई पीढ़ियों से अर्जित चल–अचल संपत्ति को कुछ ही क्षणों में गंवाना किसी वज्रपात से कम नहीं था। वजह सिर्फ यह कि धार्मिक संकीर्णताओं ने हैवानियत की आग में घी डालने का काम किया। निस्संदेह, इस त्रासदी के मूल में ब्रिटिश हुकमरानों की साजिश भी शामिल थी, जो भारतीय आजादी को विफल बनाने की साजिश कर रहे थे। बहरहाल, आजादी के 75 साल पूरे होने पर दोनों देशों के हुकमरानों को सोचना होगा कि कटुता की यह आग राजनीतिक स्वार्थों के लिये और न भड़कायी जाये। इस आग की कीमत सिर्फ और सिर्फ मानवता को ही चुकानी पड़ती है। भौगोलिक सीमाओं ने अब हमें पड़ोसी बनाया है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। 21वीं सदी में दोनों देशों और सभी संप्रदायों को सोचना होगा कि हमारी संकीर्ण सोच के चलते मानवता ने कितनी बड़ी कीमत चुकायी है। यह उदाहरण है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति कितनी घातक होती है। जिन लाखों लोगों ने अपने घर–बार, परिवार और चल–अचल संपत्ति गवांई, उनकी कभी न खत्म न होने वाली टीस बार–बार इस जहरीली सोच की हकीकत बताती है। निस्संदेह, सांप्रदायिकता की राजनीति आग से खेलने जैसी होती है जिसकी कीमत दोनों ही संप्रदायों को चुकानी पड़ती है। राजनीतिक ताकतें इसी सांप्रदायिकता का भय दिखाकर ही अपने निरंकुश एजेंडे और मनमानी नीतियों को अंजाम देकर सत्ता में बनी रहती हैं। इसी आग में विकास और नई संभावनाओं का पराभव होता है। किसी भी तरह का संघर्ष व तनाव मनुष्यता के स्वाभाविक विकास में बाधक ही है। ईश्वर ने सभी इंसानों को एक जैसा बनाया है जो जन्म से एक जैसे ही होते हैं। लेकिन धार्मिकता की संकीर्णताएं इंसान में विभाजन के बीज बो देती हैं। निस्संदेह, धर्म व्यक्ति का निजी व्यवहार है। उसकी सीमा वहां खत्म हो जाती है जहां दूसरे की आस्था शुरू होती है। सीमाओं का यही अतिक्रमण मानवता के लिये अभिशाप बनता है। कभी कहा जाता रहा है कि सांप्रदायिकता का घातक प्रभाव अशिक्षा के चलते होता है, लेकिन विडंबना देखिये कि पढ़ी–लिखी पीढ़ी भी सांप्रदायिकता के संजाल में उलझती जा रही है। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिये सोलहवीं सदी की कबीलाई सोच से मुक्त होने की जरूरत है। अन्यथा यह टकराव व हिंसा का ज्वार मानवता की प्रगति व विकास पर ग्रहण बनकर उसे लीलता रहेगा। यह जागने का वक्त है। भारत–पाक को वीजा नीतियों में उदारता से लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देकर मानवता के संवर्धन का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

जनता से क्यों? नेताओं और अफसरों से होनी चाहिए कर्तव्य निभाने की शुरुआत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए राष्ट्र को उद्बोधन में नागरिक कर्तव्य का जिक्र किया। इसे पांचवीं प्राणशक्ति बताया गया। पीएम मोदी ने कहा कि शासक, प्रशासक, पुलिस हो या पीपुल, सबको

अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। प्रधानमंत्री की यह बात बिल्कुल सही लगती है कि बगैर नागरिक कर्तव्य के कोई भी देश पूर्ण रूप से तरक्की नहीं कर सकता। यहां सवाल आम आदमी के कर्तव्य का बाद में उठता है। कर्तव्य निभाने का पहला और मूल सवाल तो आम नागरिकों के टैक्स के बूते सरकारी पदों पर बैठे हुए भारी–भरकम वेतन और सुविधाएं प्राप्त कर रहे अधिकारियों का हैं। इसी तरह का सवाल संसद–विधानसभाओं में कीमती वक्त और लोगों की गाढ़ी कमाई को शोर–शराबे और धरने–प्रदर्शन में बर्बाद करने और अशोभनीय हरकत करने वाले जनप्रतिनिधियों का भी है। क्या सरकारी कार्मिक वेतन और सुविधाओं के बदले में ईमानदारी से अपनी ड्यूटी को अंजाम दे रहे हैं। इसी तरह क्या जनप्रतिनिधी वेतन–सुविधाएं लेने के ऐवज में अपना फर्ज अदा कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि जनप्रतिधियों ने सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं को पैतरेबाजी का अखाड़ा बना दिया है। भारत और लोकतंत्र को शर्मसार करने की क्या कुछ घटनाएं इनमें देखने को नहीं मिली। सदन के सत्र के दौरान कामकाज में बाधा डालने के अलावा मारपीट, कपड़े फाडने, एक–दूसरे पर माइक और कुर्सियों से हमला करने के मामले ज्यादा पुराने नहीं हैं। ऐसे में सबसे पहली जरूरत आम लोगों की बजाए, आम लोगों की बदौलत ऐश–आराम करने वाले नेताओं और कार्मिकों से कर्तव्य निभाने की बात सबसे पहले करनी चाहिए। इनके साथ कानूनी सख्ती बरती जानी चाहिए। जब तक ऐसे गैरजिम्मेदार और नाकारा लोगों को जेल की सजा नहीं मिलती, तब तक आम लोगों से कर्तव्य निभाने की बात करना बेमानी है। कर्तव्य निभाना तो बहुत दूर रहा अलबत्ता जब कभी नेताओं के यहां छापे पड़ते हैं तो इसे विपक्षी दलों के खिलाफ बदले की कार्रवाई करार दिया जाता है। जिस दल की सरकार ऐसी कार्रवाई करती है, उसे ही विपक्ष के ऐसे आरोपों का सामना करना पड़ता है। देश को लूट कर खाने वाले ऐसे नेताओं–अफसरों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने के बजाए विरोधी दल एकजुट होकर उसके बचाव में उतर आते हैं। ऐसी कार्रवाईयों के प्रति किसी भी दल मे शर्म–लिहाज शायद ही बची हो। जिस दल के नेता के खिलाफ कार्रवाई की गई, उसे गलत ठहराने के लिए धरने–प्रदर्शन तक की बेशर्मी बरतने से भी उन्हें गुरेज नहीं रहता। किसी भी दल या नेता को कोर्ट पर भरोसा नहीं है। यदि सबूत नहीं हुए तो कोर्ट बाइज्जत बरी कर सकता है, लेकिन ये दलीलें सिर्फ आम लोगों पर लागू होती हैं, नेताओं पर नहीं। यह बात दीगर है कि कानून बनाए भी नेताओं ने ही हैं, किन्तु जब लागू करने की बात आती है तो उनका रंग–रूप ही बदल जाता है। आम लोगों पर ऐसे कानून लागू हों तो किसी को कोई तकलीफ नहीं, पर जब कानून के समानता से लागू करने की बात आती है तो सबसे पहले नेता ही अपने को उससे ऊपर बताते हैं। नेताओं को कर्तव्य की सीख देना आसान नहीं है। देश में ऐसा एक भी राजनीतिक दल नहीं है, जिसके नेताओं पर चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार, बलात्कार, बलवा जैसे मुकदमें नहीं चल रहे हों, इन आपराधिक मामलों पर इनका एक ही जवाब होता है कि सत्तारुढ़ दल (सरकार) ने बदले की भावना से उन्हें फंसाया हैं। ऐसे नेताओं को कर्तव्य का एहसास तक कराना लौहे के चने चबवाने से कम नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह सपना देश को तरक्की की राह पर ले जाने वाले है। सवाल यही है इसकी शुरुआत कहां से हो। दरअसल इसकी शुरुआत ऊपर से होनी चाहिए। अधिकार के साथ कर्तव्य के लिए भी कानून बनना चाहिए। कर्तव्यों का पालन नहीं करने वाले जनप्रतिनिधि–अधिकारियों को सीधे जेल भेजे जाने की सजा होनी चाहिए। केवल मौखिक तौर पर अपील करने से भ्रष्ट और निकम्मे नेताओं की मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं पडने वाला। रहा सवाल देश के आम लोगों से कर्तव्य की उम्मीद करना, तो सवाल यह है कि जिस देश की करीब आधी आबादी को मुश्किल से एक वक्त का भोजन नसीब हो, रहने के लिए घर नहीं, शिक्षा नहीं हो, पानी–बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो, उनसे कर्तव्य की पालना की उम्मीद किस मुंह से की जा सकती है। इस आबादी को अपने अधिकारों के बारे में ज्ञान तक नहीं है, इनसे कर्तव्य निभाने की अपेक्षा करना तो दूर की कौड़ी है। सवाल यह है कि कि भूखे पेट किसी से क्या कर्तव्य निभाने की उम्मीद की जा सकती है। जिस तरह देश की आजादी के लिए अंग्रेजों और राजाओं से लंबी लड़ाई लड़ी गई, उसी तरह कर्तव्य निभाने का रास्ता भी बेहद मुश्किल और कांटों भरा है। इसकी शुरुआत देश के शासकों से जब तक नहीं होगी, इसकी मंजिल तक कभी नहीं पहुंचा जा सकेगा।

प्रतीक नहीं हकीकत बने समता का समाज

विश्वनाथ सचदेव

पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले नौ साल के इंद्र का जन्म कथित वंचित समाज वाली जाति वाले एक परिवार में हुआ था, और इस 'अपराध' की सजा उसे इसी वर्ष बीस जुलाई को मिली। कमतर जाति में जन्मने के कारण उसे यह अधिकार नहीं था कि वह स्कूल के कथित सामंती सोच के अध्यापक के लिए निर्धारित मटके का पानी पी सके। जाने–अनजाने में उसने यह अधिकार पाने की कोशिश की और, कहते हैं, सजा देने वाले अध्यापक ने उसे इतनी बुरी तरह से पीटा कि डॉक्टरों की सारी कोशिशों के बावजूद 13 अगस्त को यानी स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वाले दिन से मात्र 2 दिन पहले इंद्र की मृत्यु हो गयी। हालांकि पुलिस का यह कहना है कि अभी तक उसे इस बात का पुख्ता सबूत नहीं मिला है कि उसकी पिटाई इसी कारण से हुई थी, पर गांव के लोगों और इंद्र के साथ पढ़ने वाले बच्चों में से कुछ का कहना है कि पुलिस झूठ बोल रही है, इन पर दबाव डाला जा रहा है कि वे इंद्र के साथ हुई मारपीट की गवाही न दें। इस मामले की सच्चाई कुछ भी हो, पर हकीकत यह भी है कि देश में दलितों के साथ इस प्रकार के अत्याचार आजादी पाने के 75 साल बाद भी हो रहे हैं। आये दिन इस तरह की घटनाएं घटती रहती हैं। संसद में सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2018– 2020 के दौरान देश में दलितों पर अत्याचार के 1,29,000 मामले दर्ज हुए थे, जिनमें सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश में हुए। इसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश का नंबर आता है। देश के बाकी राज्यों में यह संख्या अपेक्षाकृत कम है। लेकिन हकीकत यह भी है कि दलितों अथवा निम्नतर समझी जाने वाली जातियों के खिलाफ होने वाले मामलों में कमी आने के बजाय, यह संख्या बढ़ती जा रही है। हमारे नेता, हमारी सरकारें इस संदर्भ में आश्वासन अवश्य देते रहे हैं, पर यह कोरे आश्वासनों वाली परंपरा का ही हिस्सा हैं। इस हकीकत को भी याद रखा जाना जरूरी है कि ऐसे दर्ज मामलों के मात्र बीस प्रतिशत ही किसी निर्णय तक पहुंच पाते हैं। आधे से अधिक मामले तो सामाजिक दबावों के चलते बीच में ही दम तोड़ देते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि राजस्थान के जालोर जिले के गांव में रहने वाले बालक इंद्र की 'हत्या' का यह मामला तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। पर, उम्मीद तो यह भी थी कि स्वतंत्रता दिवस से मात्र दो दिन पहले हुई नौ वर्षीय बच्चे इंद्र की मौत की घटना सत्ताशीर्ष तक भी पहुंचेगी और वे लालकिले से दिये गये राष्ट्र के नाम संबोधन में इसकी चर्चा होगी। पर ऐसा हुआ नहीं। यूं तो यह भी अपने आप में इस तरह की एक और घटना मात्र है, पर आजादी के अमृत–काल की शुरुआत में घटी यह घटना देश और समाज के सामने मुंह बाये खड़े मुद्दों का एक दर्दनाक उदाहरण है– और इस बात की याद भी दिलाती है कि विकास की परिभाषा में कहीं न कहीं सामाजिक विषमता का यह मुद्दा भी शामिल होना चाहिए। दुर्भाग्य से, जब भी विकास की बात होती है, रोटी, कपड़ा और मकान तक सीमित रह जाती है। या फिर हमारे नेता सड़कों की बात करते हैं, हर घर में शौचालय और नल–जल की दुहाई देने लगते हैं। हां, यह सभी जरूरी है हमारे विकास के लिए, पर यही विकास नहीं है। कहीं न कहीं सामाजिक

सोच भी हमारे विकास की समझ का हिस्सा बनना चाहिए। सामाजिक विषमता का अभिशाप हमारे जीवन से बाहर जाये, यह मानवीय विकास की एक महत्वपूर्ण शर्त है। विकास का जो राजमार्ग हमने अपने लिए चुना है, वहां तक पहुंचने के लिए जिन गलियों से होकर गुजरना होता है, उनकी नितांत उपेक्षा हो रही है। हम यह भी याद नहीं रखना चाहते हैं कि समता और बंधुता के आधार पर खड़ा संविधान देने वाले बाबा साहेब अंबेडकर ने चेतावनी दी थी कि यदि हमने सामाजिक स्वतंत्रता की ओर ध्यान नहीं दिया तो हमारी राजनीतिक स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ जायेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि हम अपने ही लोगों द्वारा धोखा दिये जाने और गद्दारी करने के कारण पहले भी अपनी स्वतंत्रता खो चुके हैं, और गद्दारी सिर्फ राजनीतिक नहीं होती। सच तो यह है कि सामाजिक समानता के विरोधी अथवा उसकी उपेक्षा करने वाले भी गद्दार हैं। आज हमें धोखा देने वालों में वे सब भी शामिल हैं जो जाति या धर्म और वर्ण–वर्ग के आधार पर सामाजिक विषमता की खाई लगातार चौड़ी कर रहे हैं। यह सही है कि समय–समय पर सामाजिक विषमता को कम करने का आह्वान हमारे मार्ग–दर्शकों, मनीषियों ने किया है, पर हमने उनकी बातों को कितना सुना और समझा है? सामाजिक दृष्टि से पिछड़ों को विकास की दौड़ में अपने साथ खड़ा करने के लिए उनका हाथ पकड़ना जरूरी है। पर इससे कहीं जरूरी है इस अहसास को अपने भीतर जगाना कि वे जिन्हें हम अथवा समाज का अग्रणी समझा जाने वाला तबका पिछड़ा या अस्पृश्य अथवा अपने से नीचा मानता है, हमारी तरह मनुष्य हैं। उन्हें किसी भी दृष्टि से अपने से कमतर समझने का मतलब अपने आप को धोखा देना है, मनुष्यता के प्रति अपराध करना है। नीची मानी जाने वाली जाति का होने के कारण जालोर के सुरना गांव के इंद्र को एक ऐसे अपराध की सजा भुगतनी पड़ी जो उसने कभी किया ही नहीं था। अपराधी इंद्र नहीं, वे सब हैं जो सामाजिक विषमता में विश्वास करते हैं। इंद्र के पिता देवाराम मेघवाल का कहना है कि उन्हें आज भी, यानी 21वीं सदी में भी, बाल कटवाने के लिए घर से कई मील दूर जाना पड़ता है, क्योंकि गांव का 'नाई' उन्हें नीचा मानता है। बाल कटवाने के लिए कई मील दूर जाने की इस सजा की इंद्र द्वारा भुगती 'सजा' से कोई तुलना नहीं हो सकती, पर ऊंच–नीच की यही अवधारणा हमारे समाज को बांट रही है। इसके चलते ही हमारा समाज कमजोर होता जा रहा है, या मजबूत नहीं हो पा रहा है। इस सच्चाई को हमारा नेतृत्व कब समझेगा? स्वतंत्रता–दिवस के उदघ्बोधन में 'इंद्र' का नाम न लिया जाना सिर्फ एक चूक नहीं है। सच तो यह है कि हमारी सामाजिक चेतना को जंग लगता जा रहा है। यह सच है कि आज एक दलित, आदिवासी महिला हमारी राष्ट्रपति हैं।

आजादी के हर संग्राम का अहम किरदार रहा करनाल

डॉ. रामजीलाल

अंग्रेजी हुकूमत की शुरू से ही करनाल पर नजर थी। असल में सैनिक और प्रशासनिक रणनीति के आधार पर अंग्रेजों को यहां से दो बड़े फायदे नजर आते थे। पहला, यहां से ब्रिटिश सेना नार्थ–वेस्ट इंडिया की निगरानी कर सकती थी। दूसरा, करनाल से देहली (अब दिल्ली) नजदीक। यानी यहीं से संभव था प्रशासन और सेना पर नियंत्रण। यहां 1805 में अंग्रेजी सरकार का आधिपत्य हो गया। मेजर सीएच बक (पुस्तक–एनल्स आफ करनाल रू वर्ष 1913) के अनुसार वर्ष 1764 में जींद के राजा गणपत सिंह द्वारा बनाए गए किले पर जेल, घुड़सवार और सैन्य हेडक्वार्टर 1806 में स्थापित किया गया। इसके बाद वर्ष 1841–1842 में यहां मलेरिया फैल गया। एक अनुमान के अनुसार उस वक्त इस बीमारी से 500 से अधिक सैन्य अधिकारी मर गए। इससे ब्रिटिश सेना और सरकार दोनों हिल गये। परिणामस्वरूप वर्ष 1843 में मिलिटरी हेडक्वार्टर करनाल से अम्बाला शिफ्ट करना पड़ा। अम्बाला कैंट की स्थापना के चार वर्ष बाद 1847 में अम्बाला को जिला बनाया गया। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 की

क्रांति) से पूर्व हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी शासन के विरुद्ध कई आंदोलन हुए। इनमें से जींद में हुए आंदोलन (जून 1814–14 जनवरी, 1815), छछरौली, रानियां (1818), किसान आंदोलन (1824), कैथल (मार्च–अप्रैल 1843), लाडवा (1845–46) में हुई बगावत एवं करनाल में किसान विद्रोह (1846–1847) प्रमुख हैं। असल में 1857 की क्रांति से पहले ही ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध जनता में रोष व असंतोष व्याप्त था। आजादी की लड़ाई के इतिहास को गौर से खंगालें तो कहा जा सकता है कि वर्ष 1857 से 1947 तक करनाल जिले की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज जरूरत इस बात की है कि हरियाणा के इतिहास को स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम का अनिवार्य भाग बनाया जाए ताकि नयी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत के बारे में जानकारी मिल सके। 11 जनवरी, 1941 को साधुराम कम्बोज (खेड़ा), आत्माराम कम्बोज (नन्हेड़ा), रामप्रसाद कम्बोज (अलाहर), विष्णु दत्त शर्मा (लाडवा), पंडित मूलचंद (मुरादगढ़), मामराज (धनोरा), रामदिया (पटहेरा), कृष्णलाल इत्यादि ने पंजाब के गवर्नर को बम से उड़ाने की योजना बनाई थी। परंतु तभी क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में मुंबई में कांग्रेस ने अंग्रेजो भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया। 9 अगस्त की रात को कांग्रेस के 5000 से अधिक नेताओं को पूर्व निर्धारित योजना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया। भारत छोड़ो आंदोलन में अक्तूबर, 1942 से फरवरी, 1943 तक करनाल में 31 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 20 को सजा दी गई। आजाद हिंद फौज में करनाल के 119 सैनिक और 14 अधिकारी थे। तब 5 सैन्य अधिकारी शहीद हुए।

1967 (लेखक हरीश चंद्र मित्तल तथा रामजीलाल कंबोज) के मुताबिक क्रांति की मुहिम को लामबंद करने के लिए नाना फडणवीस तथा उनके सहयोगी मित्र अजीम उल्लाह के बीच बातचीत हुई। इसके बाद ये लोग 6 अप्रैल, 1857 को गुप्त रूप से थानेसर गए थे। घरोंडा में क्रांति को दबाने के लिए कप्तान ह्यूज के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार को दिल्ली से सेना भेजनी पड़ी। बल्ला गांव से कप्तान ह्यूज को भाग कर अपनी जान बचानी पड़ी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान (1915 से 1918) हरियाणा क्षेत्र से 84001 सैनिकों की भर्ती हुई। इनमें करनाल जिले के 6553 सैनिक थे। युद्ध के दौरान बलपूर्वक जनता से चंदा वसूला गया। उस वक्त अभूतपूर्व महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी और कर्ज ने सबको बेहाल कर दिया। इनके अलावा चारों ओर अव्यवस्था के चलते जनता में असंतोष चरम पर था। असंतोष को दबाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने अराजक एवं क्रांतिकारी आपराधिक अधिनियम 1919 (रौलेट एक्ट) लागू किया। तब फैले विद्रोह के परिणामस्वरूप करनाल, थानेसर, कैथल, लाडवा आदि स्थानों पर हड़ताल हुई। इसी दौरान 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। इसके बाद महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में करनाल से लाला गणपत राय, लाला हुकुम चंद, लाला देशबंधु गुप्त, मौलाना लकउल्लाह, इकबाल मोहम्मद, मौलवी मोहम्मद दीन इत्यादि नेताओं ने गिरफ्तारियां दीं। करनाल में धर्म और जाति से ऊपर उठकर महिलाओं ने चरखे चलाए। महिलाओं का लोकप्रिय गीत था– 'चरखा मेरा चलता रहे, मेरे चरखे की ना टूटे तार।' करनाल जिले के मुख्य सत्याग्रहियों में मोहम्मद हुसैन, डॉ. राधाकृष्ण, मानसिंह, माधवराम, मोहम्मद हुसैन (जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव), चंदगीराम, विष्णु दत्त, बनारसी दास, साधुराम, शुगन चंद आजाद, बानूराम गुप्ता इत्यादि के नाम उल्लेखनीय हैं।

गुड़गांव टाइम्स

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक राकेश गर्ग द्वारा एनसीआर प्रेस, धनवापुर रोड गुड़गांव से मुद्रित कराकर कार्यालय 478/7, जवाहर नगर, न्यू रेलवे रोड, गुड़गांव से प्रकाशित किया।

प्रधान संपादक
राकेश गर्ग
फोन नं0 9811222066

कानूनी सलाहकार
अनिल कुमार गर्ग, एडवोकेट
ध्रुव गर्ग, एडवोकेट
गति गर्ग, एडवोकेट

gurgaontimes2004@gmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र गुड़गांव मान्य होगा।

. . . . रकम दे दो, नहीं तो खल्लाश !

आरोपियों की पहचान रितिक,गुलशन,बंटी कुमार व संदीप उर्फ सैन्डी पाकिस्तान व दुबई से धमकी देकर रुपयों की डिमांड

गुडगांव टाइम्स न्यूज

गुरूग्राम। जैसे व्हाट्सएप वीडियो में दिखाए व्यक्ति पर फायरिंग की गई है,ठीक ऐसे ही तुम भी हमारीगन के निशाने पर हो सकते है। अगर तुमकों हमारी गन के निशाने से बचना है तो हमारे पासपांच लाख भेज दो अन्यथा तुमको खल्लाश कर दिया जाएगा। सहमे सहमे जमीन खारीद–फरोख्त केकारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने ना केवल मामला ही दर्ज किया अपितु चार रंगदारों कोदबोच लिया। रुपयों की डिमांड धमकी पाकिस्तान व दुबई से की जाती थी।अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के पकड़े गए चार रंगदारों की पहचान आरोपियों की पहचान रितिक,गुलशन,बंटी कुमार व संदीपउर्फ सैन्डी के तौर पर हो गई है। व्हाट्सएपवीडियो कॉल फोन नंबर 13604695369 से फोन कॉल के द्वारा धमकी दी जाती थी। उनके सरगनापाकिस्तान या दुबई से धमकी भरा फोन करते थे। इस बाबत दबोचे जाने की पुष्टि करते हुएएसीपी क्राईम प्रीतपाल सागंवान का कहना है कि उनके पास से 99 एटीएम कार्ड, 62 सिमकार्ड,23 मोबाईल मिले है। एक बैंक पास बुक भी पुलिस द्वारा बराम की गई है। पकड़े गए रंगदारीयुवक बीते 3 माह से सक्रिय थे । पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के मोबाईल फोन्स से पाकिस्तानके लोगों के मोबाईल नंबर मिले है। पुलिस हिरासत रिमाण्ड के दौरान आरोपियों से पुलिसपूछताछ के दौरान प्राप्त हुई जानकारी के आधारपर पुलिस टीम द्वारा प्रत्येक एंगल से अनुसंधान किया जा रहा है। दुबई और वहां से पाकिस्तान पहुंचती थी रकमतहकीकात के दौरान खुलाशा हुआ कि इनकेकब्जा से बरामद हुए एटीएम कार्ड व सिम कार्ड इनके द्वारा खरीदे गए है। शिकायतकर्ताको जिस बैंक खाते में रुपए डालने के लिए कहा था वह बैंक एकाउंट भी इन्होंने बिहार केएक व्यक्ति को 25 हजार रुपए देकर खरीदा था और मोबाईल फोन इन्होंने इंटरनेट बैंकिंगप्रयोग करने के लिए खरीदे हुए थे। इनके साथी पाकिस्तान व दुबई में बैठकर किसी बिजनेसमैनऔर आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्तियों को अपने अन्य साथियों के माध्यम से टारगेट करतेहै और पाकिस्तान से फोन नंबर से उन्हें धमकी देकर बैंक में रुपए ट्रांसफर करवा लेतेहै। धमकी देकर जिन बैंकों में रुपए ट्रांसफर कराते वही बैंक एकाउंट उपरोक्त आरोपी उन्हेंउपलब्ध कराते है जिनमें रुपए आने के बाद उपरोक्त आरोपी अलग. अलग बैंक खातों में नेटबैंकिगके द्वारा ट्रांसफर कर लेते है तथा एटीएम सेनगद निकाल लेते है। निकाले गए नगद रूपयों में से आरोपी अपना 10 प्रतिशत का कमीशन काटकरबाकी नगदी अपने एक अन्य साथी को दे देते हैए जो दुबई में अपने साथियों तक पहुँचा देताहै और दुबई से वो रुपए पाकिस्तान से धमकी देने वाले व्यक्तियों तक पहुँच जाते है।

एमपी की तरह हरियाणा में भी पिछड़ों को चुनाव में मिले आरक्षण: कैप्टन अजय यादव

–मुख्यमंत्री मनोहर लाल से किया सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने का आग्रह

गुडगांव टाइम्स न्यूज

गुरुग्राम। कांग्रेस ओबीसी सैल के राष्ट्रीय चेयरमैन कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव होने वाले हैं। कभी भी चुनाव की तारीख की घोषणा हो सकती है। प्रदेश में हाल ही में हुए निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण नहीं दिया गया था। इसके बावजूद भी प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी है।

कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में भी पिछडा वर्ग को आरक्षण देने से मना कर दिया था, उसके बाद दोनों प्रदेशों की सरकार ने अपने–अपने प्रदेश में पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी और दोनों प्रदेशों की सरकार सुप्रीम कोर्ट में पंहुची और सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में पंचायत चुनाव व निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण दे दिया था।

इसी तरह से हरियाणा सरकार ने प्रदेश में पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया है। प्रदेश के पिछड़ा

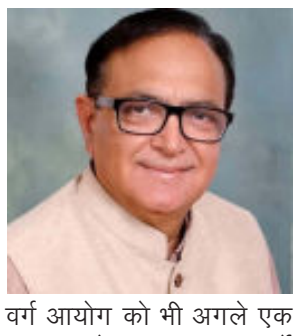

वर्ग आयोग को भी अगले एक सप्ताह के अंदर–अंदर सर्वे कराकर अपनी सिफारिश रिपोर्ट प्रदेश सरकार को भेजनी चाहिए। उनकी मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से अपील है कि आयोग की रिपोर्ट को लेकर वे भी सुप्रीम कोर्ट में जाएं और जिस तरह से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में पिछड़ों को आरक्षण मिला है, उसी प्रकार हरियाणा प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के लोगों को भी आरक्षण मिल सके। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको पिछड़ा वर्ग विरोधी माना जाएगा। प्रदेश में लगभग आधी आबादी पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तो आपको प्रदेश की आधी आबादी को ध्यान में रखते हुए पिछडों को पंचायत में आरक्षण दिलवाना चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव ने बताया कि हरियाणा कांग्रेस के पिछडा वर्ग के पदाधिकारी आगामी 22 अगस्त को हर जिला मुख्यालय पर जिला उपायुक्तों को महामहिम राष्ट्रपति और माननीय राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपेगें। उन्होंने बताया यदि सरकार द्वारा बनाया गया पिछडा वगज् आयोग एक सप्ताह के अंदर–अंदर अपनी सिफारिश रिपोर्ट नहीं सौंपता है तो हम जल्द ही एक रणनीति बनाकर पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ धरना व रोष प्रदर्शन करेगें।

पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रतिनिधियों ने सुधा यादव को दी बधाई

गुडगांव टाइम्स न्यूज

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी द्वारा गुरुग्राम की पूर्व सांसद सुधा यादव को केंद्रीय चुनाव समिति एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड में सदस्य बनाए जाने पर उन्हें पंजाबी बिरादरी महासंगठन की ओर से बधाई दी गई। महासंगठन की पुरुष एवं महिला इकाई के सदस्यों ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। महासंगठन की महिला प्रकोष्ठ की अगुवाई ज्योत्सना बजाज और ज्योति वर्मा ने की। उनके साथ आशा हसीजा, शशि बजाज, वीना अरोरा, रचना बजाज, ललिता, सुधा शर्मा, सुदेश सेटिया, आशा चावला और सुरक्षा आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीकरी के साथ रमेश चुटानी, रमेश कालरा, धरमिंदर बजाज, दलीप लूथरा, सुभाष कामरा, नरेश चावला, रमेश कामरा, ओपी कालरा, गजेंदर गोसाईं, नंद गाबा, सुरेश थरेजा, सुरेश सेठी, बलदेव गुगलानी आदि उपस्थित रहे। पूर्व सांसद को बधाई देते हुए पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ताओं को सदैव सम्मान दिया जाता है। यह एक ऐसा राजनीतिक दल है, जिसमें हर वर्ग का विशेष ख्याल रखा जाता है। पूर्व सांसद सुधा यादव को केंद्रीय टीम में शामिल करना इसका उदाहरण है। श्री सीकरी ने कहा कि यह सिर्फ सुधा यादव का नहीं, बल्कि शहीदों का भी सम्मान है। सुधा यादव कारगिल युद्ध के पहले शहीद डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव की वीरांगना हैं। उनका साहस और वीरता सदैव स्मरण रहेगा। शहीद डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव को भी बोधराज सीकरी ने शाब्दिक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से केंद्रीय नेतृत्व में शामिल की गईं पूर्व सांसद को बधाई देने वालों का तांता लगा है, उससे उनकी ख्याति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेहद ही शील स्वभाव की धनीं सुधा यादव को पार्टी ने पहले पिछड़ा वर्ग आयोग में बतौर सदस्य शामिल किया था। अब उनका कद और बड़ा करते हुए उन्हें केंद्रीय चुनाव समिति एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड में सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इस दौरान पूर्व सांसद सुधा यादव ने बोधराज सीकरी को बड़े भाई के संबोधन के साथ उन्हें मिठाई भी खिलायी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं और सामाजिक संस्थाओं का वे धन्यवाद करती हैं। सभी का आशीर्वाद, सहयोग उन्हें लगातार मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा।

बच्चों के माध्यम से बड़ों तक जाए पौधारोपण मुहिम: नवीन गोयल

गुडगांव टाइम्स न्यूज

गुरुग्राम। साथ चलो फाउंडेशन द्वारा महर्षि दयानंद मॉडल स्कूल साउथ सिटी–1 में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने कहा कि बच्चों के माध्यम से यह मुहिम बड़ों तक जानी चाहिए। बच्चे अपने घर, परिवार में इस बात के लिए जागरुकता फैलाएं कि हमें अपने पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखना है। मेरा पेड़ मेरी जिम्मेदारी की मुहिम को एक आंदोलन बनाना है। इस कार्यक्रम में बच्चों ने जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस पर मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में नवीन गोयल ने सभी को जागरुक करते हुए पौधारोपण का महत्व भी समझाया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। श्री गोयल ने कहा कि जिस दिन हमारे भीतर बच्चों की तरह पौधों को पालने की भावना उत्पन्न हो जाएगी, उसी दिन से हमारे पर्यावरण की छटा अलग ही होगी। इस अवसर पर स्कूल के प्रेसिडेंट कन्हैयालाल आर्य, सेक्रेटरी नीलम भाटिया, वाइस प्रेसिडेंट सुरेश चंद्रा, मैडम कपूर, अखिल भारतीय महिला अग्रवाल सम्मेलन की जिला महामंत्री आशा गगन गोयल, प्रदेश कार्यकारिणी युवा मोर्चा के सदस्य गगन गोयल, बंसल, साथ चलो फाउंडेशन से सीमा तोमर, शालिनी चौधरी, पारुल शर्मा व अन्य जन उपस्थित रहे। आओ साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाएं।

मुनव्वर फारुकी के शो से पहले भाजपा विधायक टी राजा सिंह समेत 5 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी, हैदराबाद। स्टैंड अप कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी के शो से पहले हैदराबाद पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक टी राजा सिंह को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया। दरअसल, टी राजा सिंह ने मुनव्वर फारुकी के शनिवारं को होने वाले शो के आयोजन स्थल को जलाने की धमकी दी थी।

छात्र की हत्या के आरोपी दोषी अध्यापक को मिले कठोर सजा

फतह सिंह उजाला

पटौदी । दलित समाज पर हो रहे जातिगत अत्याचार के खिलाफ डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेवा समिति हेली मंडी तथा भीम आर्मी भारत एकता मिशन के द्वारा संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया गया । पटोदी के अंबेडकर भवन से प्रदर्शनकारी राजस्थान कांग्रेस सरकार और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपने हाथों में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र और झंडे लेकर पटौदी के लघु सचिवालय परिसर में पहुंचे । पटौदी लघु सचिवालय परिसर में पहुंचने के दौरान भी प्रदर्शनकारियों के द्वारा दलितों पर अत्याचार बंद हो, दलितों पर अत्याचार बंद हो, जातिवादी आतंकवादियों के खिलाफ कानून बने, 9 वर्षीय छात्र के हत्यारे अध्यापक को कठोर सजा दी जाए, जैसे नारे लगाते रहे। पटौदी लघु सचिवालय परिसर में पहुंचकर डॉ भीमराव अंबेडकर सेवा समिति हेली मंडी और भीम आर्मी भारत एकता मिशन के द्वारा संयुक्त रूप से भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम पटौदी के नायब तहसीलदार सुजीत कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। नायब तहसीलदार सुजीत कुमार ने आश्वासन दिया कि जो ज्ञापन सौंपा गया है बिना देरी किए इसे राष्ट्रपति सचिवालय के लिए भेज दिया जाएगा। इस मौके पर रामकिशन रेवाडिया , पटोदी नगर पालिका के वाइस चेयरमैन जर्मन सैनी, पालिका पार्षद मनोज कुमार, मास्टर सूरजपाल, तिलक राज लोहचानिया, धनीराम माजरा, मंगतराम, जयप्रकाश, दयाचंद, महेंद्र सिंह नेहरा, सरजीत, धर्मचंद, जय भगवान, सतबीर पवार, गोरधनदास, दीपचंद, योगेश कुमार, विकास भारतीय सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। महामहिम राष्ट्रपति ज्योति मुर्मू के नाम सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि हम सभी लोग जातिगत भेदभाव के चलते जातिवादी आतंकियों का अत्याचार सहन करते आ रहे हैं । इस प्रकार के क्रूर अत्याचार की कीमत दलित समाज के लोगों को जान देकर भी चुकानी पड़ती है । हाल ही में राजस्थान के जिला जालौर गांव सुराणा के स्कूल में पानी पीने मात्र पर ही एक 9 वर्षीय मासूम छात्र की स्कूल के अध्यापक के द्वारा पिटाई करने से मौत हो गई । सीधे शब्दों में आरोप लगाया गया है कि मासूम छात्र की अध्यापक के द्वारा पीट–पीटकर हत्या कर दी गई । इस प्रकार के जातिवादी मानसिकता सोच के अध्यापक के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए कम से कम फांसी की सजा दी जानी चाहिए । डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेवा समिति हेली मंडी के पदाधिकारी रामकिशन रेवाड़िया ने इस मौके पर कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है , लेकिन वास्तविक आजादी आज भी दलित समाज और एससी जाति जनजाति के लोगों को नहीं मिल सकी है । जिस प्रकार से समाज के पिछड़े कुचले दलित अनुसूचित जाति जनजाति के साथ में अत्याचार होता आ रहा है, यदि इस पर जल्द ही कठोर कानून बनाकर रोक नहीं लगाई गई तो आने वाली इस समाज की पीढ़ियों को और भी अधिक प्रताड़ना सहन करनी पड़ेगी। इसी मौके पर अन्य वक्ताओं के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मांग करते हुए कहा गया है कि जातिवादी आतंकियों के खिलाफ कठोर से कठोर कानून बनाए जाने की जरूरत है। जिससे कि जातिवादी आतंकी और इस प्रकार की सोच रखने वाले लोगों पर लगाम कसी जा सके । सौंपे ज्ञापन में मांग की गई है कि पीड़ित परिवार को कम से कम 50 लाख का मुआवजा और बच्चे के इलाज में खर्च हुए 10 लाख का मुआवजा देने के साथ ही परिवार के 2 सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जाए।

इसी कड़ी में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में जालौर घटना की निंदा करते हुए कहा गया है कि आजादी के 75 वर्ष के बाद देश से छुआछूत पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है । यही कारण है कि समाज में दलित पिछड़े गरीब अनुसूचित जाति जनजाति पर अत्याचार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में जयपुर की एक शिक्षिका पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाने की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के वास्ते कठोरतम कानून और दोषियों को कठोर सजा देने की मांग की गई है । दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि जातिवादी मानसिकता को लेकर जातिवादी आतंकियों के द्वारा किए जाने वाले हमले और मारपीट के कारण मृत्यु होने पर आरोपी को कम से कम फांसी की सजा फास्ट ट्रैक कोर्ट मे मामले की सुनवाई करते हुए दे दी जानी चाहिए।

जनगणना में धांधली की होनी चाहिए जांच: उमेश अग्रवाल

गुडगांव टाइम्स न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम की जनगणना में धांधली करके लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। सर्वे करने वाली एजेंसी ने अपने आकाओं के इशारे पर जगणना में भारी धांधली की है। यह आरोप पूर्व विधायक एवं आम आदमी पार्टी के नेता उमेश अग्रवाल ने संवाददाता सम्मेलन में लगाया है। उन्होंने मांग की है कि जनगणना का सर्वे करने वाली एजेंसी और जिन आकाओं के इशारे पर यह काम किया गया है उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाये।

पूर्व विधायक एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता उमेश अग्रवाल ने कहा कि पहले वर्ष 2011 में जनगणना हुई थी और अब 2022 में की गई है। उन्होंने दोनों जनगणना में तुलनात्मक अध्ययन करके बताया कि वार्ड एक के न्यू पालम विहार फेस–1 में पहले कुल आबादी 18917 दर्शायी गई थी जिसको बढ़ाकर 23769 करके लगभग 5 हजार की बढ़ोतरी की गई है यहां पर अनुसूचित जाति की जनसंख्या को 4585 से घटाकर 2248 किया गया है। न्यू पालम विहार फेस–2 में कुल आबादी 1513 थी जबकि नयी जनगणना में मात्र 390 दर्शायी गई है। इस कॉलोनी में इतनी आबादी घटना किसी को भी समझ में नहीं आ रहा है। वार्ड एक में विष्णु गार्डन, जय विहार, स्वरूप गार्डन में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 2359 थी जो कि घटाकर 1405 दर्शायी गई है जबकि कुल जनसंख्या करीब 10 हजार से बढ़ाकर 14595 हुई है। उन्होंने कहा कि यह वार्ड पहले अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था तथा इस वार्ड को आरक्षण से मुक्त करने का प्रयास होता नजर आ रहा है। वार्ड नं. 2 के पालम विहार एक्सटेंशन में पिछली जनगणना में मात्र 717 जनसंख्या थी जिसे बढ़ाकर 44426 दर्शाया गया है। इस क्षेत्र में 50 गुणा जनसंख्या बढ़ना स्वाभाविक नहीं लग रहा है। इसी प्रकार वार्ड नं. 3 के सेक्टर एक में 6 हजार व वार्ड 4 के डूंडाहेड़ा क्षेत्र में कुल आबादी 11 हजार बढ़ी है जबकि अनुसूचित जाति की जनसंख्या पिछली जनगणना से तुलना में चार सौ घटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड 5 के सरहौल गांव में सबसे अधिक आश्चर्यजनक है। यहां पर भी 12 हजार आबादी बढ़ा दी गई है और सेक्टर–18 एवं औद्योगिक क्षेत्र में 16 हजार की आबादी को दर्शाया गया है जबकि अन्य औद्योगिक क्षेत्रों की आबादी को इस जनगणना में नहीं दर्शाया गया है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद के वार्ड 7 राजीव नगर में पहले आबादी 28 हजार थी जिसे घटाकर 24248 दर्शाया गया है इसी तरह से गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला के वार्ड 18 में बर्फखाना कॉलोनी में पहले 1475 जनसंख्या थी जिसे घटाकर 1033 दिखाया गया है। पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि पूर्व

डिप्टी मेयर यशपाल बत्रा के वार्ड 16 के ज्योति पार्क व न्यू ज्योति पार्क एक्सटेंशन की आबादी कम दिखाई गई है। मदनपुरी व मनोहर नगर की आबादी भी काफी घटाकर दर्शायी गई है। इसी प्रकार गुड़गांव गांव, वार्ड 12 में धानवापुर की आबादी पहले 3176 थी जिसे अब 2426 तथा गाड़ौली कलां गांव की आबादी पहले 2762 थी जिसे अब 1327 दर्शाया गया है। शिवाजी नगर तथा शांति नगर की आबादी को भी काफी कम करके दर्शाया गया है। इन्हीं के साथ राज नगर, आठ मरला, बलदेव नगर, लक्ष्मी गार्डन, फिरोजगांधी कॉलोनी और चार मरला में जनसंख्या को काफी कम करके दिखाया गया है जो बड़े घालमेल की ओर इशारा कर रहा है।

पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि दूसरी ओर वार्ड 25 के बादशाहपुर की आबादी को बढ़ाकर 45000 तथा इसके ही लगते क्षेत्र सेक्टर 69, 70, 75 आदि में भी आबादी 25000 दर्शायी गई है। इसमें भी ऐसा लग रहा है कि इस वार्ड को आरक्षण से मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार वार्ड 13 के सरस्वती एन्कलेव की आबादी पहले 5803 थी जिसको आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाकर 47000 दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड 26 में फाजिलपुर झाड़सा एवं सेक्टर 71, 72 में 26000 से बढ़ाकर 41000 बताया गया है। वार्ड 33 के चकरपुरगांव की आबादी को 23000 से बढ़ाकर 44668 करके दर्शाया गया है और नाथूपुर गांव में आश्चर्यजनक रूप से आबादी 22000 से बढ़ाकर 56000 दर्शा दी गई है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सोसायटियों और सेक्टरों की आबादी को आश्चर्यजनक रूप से कम या ज्यादा दर्शाया गया है जिससे यह संदेह होना लाजमी है कि मनमाने तरीके से आरक्षण की बिसात बिछाई जा रही है। पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. श्याम लाल, जिलाध्यक्ष मुकेश डागर कोच, धीरज यादव, महाबीर वर्मा, पार्टी जिला मीडिया प्रभारी राजीव कौशिक व अनिल कुकरेजा, अनुराधा शर्मा, सुशीला कटारिया, राजीव यादव, राजबाला शर्मा, प्रवीण शर्मा, वेद प्रकाश रामपुरा सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

गुरुग्राम में जन्माष्टमी पर्व पर मंदिर मेंमुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बोधराज सीकरी का स्वागत करते आयोजक

धर्मवा कर्म का ज्ञान भी देते हैं हमारे पर्व–बोधराज सीकरी सभी को धर्म को आगे बढ़ाने का दिया संदेश

गुडगांव टाइम्स न्यूज
गुरुग्राम। देश में सभी पर्वों को विशेष महत्वदिया जाता है। ऐसे ही हमारे पर्व भी हमें धर्म के मार्ग पर चलाने के साथ सही कर्म करनेका ज्ञान भी देते हैं। जिस तरह गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से संसारको धर्म.कर्म के संदेश दिए वे सदैव प्रासंगिक रहेंगे। यह बात बतौर मुख्य अतिथि के तौरपर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर पहुंचे पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराजसीकरी ने अपने संबोधन वार्ता के दौरान कही।विशेष अतिथि के तौर पर वे सबसे पहले सेक्टर. 45स्थित इस्कॉन मंदिर में पहुंचे और बांके बिहारी के दर्शन कर उनके बाल्य रूप का अभिषेकभी किया। यहां के भव्य आयोजन के लिए उन्होंने आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने श्रीकृष्णजन्माष्टमी की सभी को बधाई देते हुए कहा कि हमें हर त्योहार पर्व ऐसे ही धूमधाम सेमनाया चाहिए। यह हमारी संस्कृति है। यहां से वे सेक्टर.23 स्थित श्री शक्ति मंदिर मेंबतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उनके साथ संस्था के वरिष्ठ उप.प्रधान ओम कथूरिया, मंत्रीजीएन गोसाईं भी मौजूद रहे। मंदिर कमेटी की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। मंत्रोच्चारणके साथ पूजा.पाठ करवया गया। यहां अपने आध्यात्मिक ज्ञान से श्री सीकरी ने सबका मन मोहलिया। मंदिर के उपप्रधान एवं मुख्यमंत्री हरियाणा के पूर्व ओएसडी जवाहर यादव भी मौजूदरहे। इसके बाद बोधराज सीकरी श्याम मंदिर न्यू कॉलोनी में भी पहुंचे। ध्यान रहे कि इसमंदिर कमेटी के वे स्वयं प्रधान भी हैं। यहां उन्होंने आरती और भोग में हिस्सा लिया।वृंदावन से आए रास लीला मंडली ने यहां बेहतरीन कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मथुरा ही नहीं लखनऊ भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कड़ी सुरक्षा के घेरे में

नगर संवाददाता

लखनऊ। कार्यवाहक डीजीपी डॉ. डीएस चौहान ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर प्रभावी पुलिस प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस पिकेट, मोबाइल पेट्रोलिंग व पैदल गश्त की प्रभावी व्यवस्था की जाए। सभी जिलों को भेजे गए दिशा–निर्देश में डॉ. चौहान ने कहा है कि सभी पुलिस अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में भ्रमण करें। सोशल मीडिया की राउंड द क्लॉक निगरानी की जाए तथा सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर एवं व्हाट्सएप आदि पर सतर्क दृष्टि रखी जाए भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित होने पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए। डॉ. चौहान ने सभी आयोजनों में योजनाबद्ध रूप से सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था एवं यातायात प्रबंध करने तथा सादे वस्त्रों में भी पुरुष एवं महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाने को कहा है। उन्होंने कहा है कि छोटी से छोटी घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी पुलिस प्रबंध के साथ सर्तक दृष्टि रखते हुए इन क्षेत्रों में एण्टी सेबोटाज चेक, एक्सेस कन्ट्रोल तथा क्यूआरटी का व्यवस्थापन किया जाए। सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय करते हुए ड्रोन कैमरे से भी चेकिंग कराई जाए। दरअसल, कोरोना महामारी के भयावह रूप के दो साल बाद इस बार भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव (जन्माष्टमी) को धूमधाम से मनाने की तैयारी है। राजधानी में कुछ प्रमुख मंदिरों, स्थानों पर बड़े पैमाने पर भक्तों को सुलभता से दर्शन कराने, झांकी निकालने व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी चल रही है। मंदिर समिति अपनी ओर से कोविड प्रोटोकाल को देखते हुए जन्माष्टमी को धूमधाम से मनाने को पूरी तरह से तैयार हैं। मंदिर प्रशासन द्वारा जन्माष्टमी 19 अगस्त को मनाई जा रही है। जन्माष्टमी का मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन में होगा। पुलिस लाइन परिसर स्थित शिव मन्दिर में कान्हा की लीलाओं की झांकियां सजाई जा रही हैं। यहां की झांकी देखने के लिए दूर–दूर से हजारों लोग आते हैं। यमुना जी में कालिया नाग के ऊपर मर्दन करते हुए कान्हा, अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाने के अलावा कृष्ण से जुड़ी विभिन्न लीलाओं की झांकी तैयार हो रही है।

गुरुग्राम का हीरो होंडा चौक अब कहलाएगा एकलव्य चौक

गुडगांव टाइम्स न्यूज
गुरुग्राम। गुरुग्राम–जयपुर नेशनल हाइवे–48 स्थित हीरो होंडा चौक अब एकलव्य चौक कहलाएगा। इस चौक पर लगाए गए बोर्ड का मेयर मधु आजाद और बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद ने किया। उन्होंने शनिवार को वार्ड–27 में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा वार्ड–27 के गांव खांडसा, सेक्टर–37 व नाहरपुर रूपा में तीन शमशान घाटों के निर्माण पर 99.71 लाख रुपये, गांव खांडसा सामुदायिक केन्द्र के निर्माण पर 1.97 करोड़ रूपए, हंस इनकलेव में गलियों के निर्माण पर 80 लाख रुपये तथा गांव खांडसा स्थित राजपूत चौपाल व शिव धर्मशाला में प्रथम तल के निर्माण पर 82.39 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सभी कार्यों का शनिवार को शिलान्यास किया गया है। इस मौके पर विधायक राकेश दौलताबाद व मेयर मधु आजाद ने वार्ड–27 के नागरिकों को बधाई दी तथा कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाने की दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक केन्द्रों एवं चौपालों का निर्माण करवाया जा रहा है। इसके साथ ही गलियों को पक्का करने की दिशा में भी तेजी से कार्य हो रहा है। इस मौके पर सीनियर डिप्टी मेयर प्रोमिला कबलाना, डिप्टी मेयर सुनीता यादव, निगम पार्षद संजय प्रधान, सुनील गुर्जर व उदयबीर अंजना, नगर निगम के कार्यकारी अभियंता तुषार यादव, सहायक अभियंता संजोग शर्मा, कनिष्ठ अभियंता सचिन शर्मा सहित वार्ड के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बेहतर चुनावी सेवाओं के लिए आधार को मतदाता सूची से लिंक कराएं मतदाता

गुडगांव टाइम्स न्यूज
गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गुरुग्राम जिला में एक अगस्त से आधार नंबर को मतदाता सूची के साथ लिंक कराने का कार्य शुरू हो गया है। जिला में जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं, वे फार्म संख्या–6बी को भरकर अपना आधार नंबर मतदाता सूची के साथ लिंक करा सकते हैं।
जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने शनिवार को गुरुग्रामवासियों से आह्वान करते हुए कहा कि सभी मतदाता उपरोक्त प्रक्रिया को पूरी करने से पूर्व अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से अपना वोटर आई कार्डअवश्य चेक करा लें, ताकि आधार नंबर को लिंक करने से पूर्व मतदाता सूची की त्रुटियों को ठीक किया जा सके। उपायुक्त ने बताया कि भविष्य में चुनावी सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह सेवा स्वेच्छिक है। मतदाता सूची के साथ आधार लिंक कराने के लिए आयोग द्वारा जारी की गई एनवीएसपी व वीएचए ऐप का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अग्रवाल वैश्य समाज ने राज्य स्तर पर किया बुजुर्गों का सम्मान

गुडगांव टाइम्स न्यूज
गुरुग्राम। अग्रवाल वैश्य समाज संस्था की ओर से हरियाणा में राज्य स्तर पर बुजुर्गों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गुरुग्राम के सेक्टर–15 पार्ट–2 स्थित रेल विहार में आयोजित समारोह में 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करके उनके जीवन के अनुभवों से सीखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक अग्रवाल वैश्य समाज संस्था के युवा जिला अध्यक्ष अंकुश गुप्ता, धनराज केडिया, राजेश गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, शैलेष गुप्ता, बीएल अग्रवाल, अनिल सिंगला, महेंद्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे। समारोह में बुजुर्गों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक ने डा. डीपी गोयल ने संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने जो समाजवाद का उदाहरण पेश किया, वह आज 5100 साल बाद भी प्रासंगिक है। हम उन्हें भगवान की तरह पूजते हैं। हम उनके पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। हमें अपने पूर्वजों ने संस्कार देकर सिखाया है कि हमारे लिए

क्या महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दान, सेना में अग्रवाल समाज का अहम रोल है। देश, धर्म को बचाने और आगे बढ़ाने के लिए अग्रवाल समाज ने सदा अपनासहयोग दिया है। जनकल्याण, जगकल्याण के लिए समाज ने सदा कीर्तिमान स्थापित किए हैं। समारोह में वरिष्ठ नागरिक राजकुमार अग्रवाल ने वरिष्ठ नागरिकों की पीड़ा पर बोलते हुए कहा कि भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई योजना नहीं है। रेलवे पर 50 प्रतिशत की छूट भी बंद कर दी गई। यह एक भयानक और पीड़ादायक बात है। इन्हें बहाल किया जाए। युवा जिला अध्यक्ष अंकुश गुप्ता ने कहा कि आज देश भर में आजादी का अमृत महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। दुर्भाग्य की बात है कि इस महोत्सव के असली हकदारों को हमने कभी कुछ नहीं दिया है। यहां तक की भारत में तो 70 वर्ष की आयु के बाद वरिष्ठ नागरिक चिकित्सा बीमा के लिए पात्र नहीं समझे जाते हैं, वहीं उन्हें ईएमआई पर ऋण तक नहीं मिलता है। न ही ड्राइविंग लाइसेंस दिया जाता है।

अशोक स्तंभ प्रकरण

लटकी जांच की तलवार, जवाब भी देना होगा

स्वास्थ्य विभाग पटौदी के प्रशंसा पत्र पर प्रकाशित अशोक स्तंभ पटोदी एसएमओ डश्क्टर योगेंद्र सिंह के द्वारा किए गए हस्ताक्षर पटौदी तहसीलदार के हाथों 15 अगस्त को इन्हें बटवाया गया

गुडगांव टाइम्स न्यूज
पटौदी । स्वास्थ्य विभाग हरियाणा पटौदी, के प्रशंसा पत्र पर अशोक स्तंभ प्रकाशित करवा कर इनका वितरण करवाया जाने का मामला स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों संज्ञान में पहुंच गया है । ऐसे में इस बात से इंकार नहीं की पटौदी के एस एम ओ पर जांच की तलवार लटक गई है और इस पूरे प्रकरण को लेकर उन्हें जवाब भी देना ही होगा । जानकारों के मुताबिक अशोक स्तंभ प्रकाशित करवा कर प्रशंसा पत्र पर हस्ताक्षर करके इनका वितरण करवाना अधिकार क्षेत्र से बाहर और कथित रूप से अपराध की श्रेणी में माना जा रहा है। गौरतलब है कि अशोक स्तंभ केवल केंद्र सरकार के दस्तावेजों सहित सांसद, केंद्रीय मंत्री, न्यायिक अधिकारी या अन्य राजपत्रित अधिकारियों के द्वारा ही इस्तेमाल किया जाने का प्रावधान है। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर करोना कॉल के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर अथवा कार्यकर्ताओं को इस प्रकार के प्रशंसा पत्र पटौदी के तहसील अधिकारी के द्वारा अपने हाथों से प्रदान किए गए। यह सब कार्य उस समय हुआ स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि आयोजन स्थल परिसर में ही

मौजूद रहे और स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य मंच का अशोक स्तंभ वाले स्वास्थ्य विभाग के प्रशंसा पत्र वितरण करने के लिए इस्तेमाल किया गया। जानकारों के मुताबिक ऐसा किया जाना भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के प्रोटोकॉल की कथित रूप से अवहेलना ही माना जा सकता हैं। सूत्रों के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग हरियाणा पटौदी के एसएमओ डॉक्टर योगेंद्र सिंह के हस्ताक्षर युक्त अशोक स्तंभ वाले प्रशंसा पत्र का मामला स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया जा चुका है। सूत्रों की माने तो स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से यह जानकारी मांगी गई है कि अशोक स्तंभ वाले प्रशंसा पत्र स्वास्थ्य विभाग के द्वारा प्रकाशित करवा कर इन्हें बटवाना कानूनन, शासकीय और प्रशासकीय नजरिए से सही है या अनुचित है । जिस प्रकार से तहसील अधिकारी के द्वारा यह प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए, ऐसे में इस बात से भी इनकार नहीं कि तहसील अधिकारी की भी इस पूरे प्रकरण में जवाबदेही बनती है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि आयोजन स्थल परिसर में ही मौजूद रहे और जिस मंच पर मुख्य अतिथि थे , उसी मंच पर अलग से प्रशंसा पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पूरे प्रकरण में यह भी जिज्ञासा का विषय बना हुआ है कि वह कौन–कौन प्रमुख लोग हैं , जिनको अशोक स्तंभ वाले और पटौदी के एसएमओ के हस्ताक्षर युक्त प्रशंसा पत्र कोरोना काल के फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के तौर पर प्रदान किए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इस प्रकार के प्रशंसा पत्र क्या जिला के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर वीरेंद्र सिंह को विश्वास में लेकर या फिर शासन– प्रशासन को विश्वास में ले प्रकाशित करवा कर इनका वितरण किया गया ? दूसरी ओर अशोक स्तंभ वाले दस्तावेज हरियाणा राज्य में मुख्यमंत्री से लेकर सरकार में मंत्री और चुने हुए एमएलए के द्वारा भी इस्तेमाल नहीं किए जाते हैं । इसी कड़ी में फ्रंटलाइन कोरोना वर्कर या कार्यकर्ताओं को यह प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए , उनकी सूचना या लिस्ट अथवा सूची या फिर नाम किस विभाग और सक्षम अधिकारी से पटौदी के एस एम ओ के द्वारा प्राप्त किए गए ? अब देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग हरियाणा पटौदी के प्रशंसा पत्र पर अशोक स्तंभ प्रकाशित करवा कर और पटौदी के एसएमओ के द्वारा हस्ताक्षर करके इनका पटौदी के तहसील अधिकारी के हाथों वितरण करवाना शासकीय, प्रशासकीय और कानूनन तौर से सही है या फिर ऐसा किया जाना संबंधित दोनों अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

पेशेवर कातिल की तरह बाप ने किया बेटी का कत्ल

नगर संवाददाता
मेरठ। मेरठ में सिर कटी लाश का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने ही अपनी बेटी के टुकड़े कर दिए। कहते हैं, कातिल कितना ही शातिर क्यों न हो लेकिन वह कुछ न कुछ सुराग अवश्य छोड़ देता है। ऐसा ही हुआ। अपनी तरफ से पिता शाहिद ने बेटी का सिर धड़ से अलग किया। सारे सबूत मिटाए लेकिन पांच दिन चली तफ्तीश में परत–दर–परत खुलती चली गई। कोई बाप इतना बेरहम भी हो सकता है, किसने सोचा था।.... सानिया हत्याकांड को अंजाम देने वाले कातिल बाप ने पूरी प्लानिंग के साथ वारदात की थी। कत्ल के लिए ऐसा दिन चुना, जब घर पर कोई नहीं था। दरअसल, सानिया की बड़ी बहन सना गर्भवती थी और तबीयत खराब होने के बाद उसे हापुड़ रोड के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने हालत गंभीर बताई, इसलिए परिवार के सभी सदस्य अस्पताल ही गए थे। घर पर सानिया और उसका पिता शाहिद थे। ऐसे में घर में कोई नहीं था और मौके का फायदा उठाकर शाहिद ने हैवान की तरह बेटी का कत्ल कर डाला। सप्ताह एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने इस मामले में सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया को खुद कार्रवाई देखने के लिए कहा है। इसके बाद सीओ खुद इस मामले की केस डायरी लिख रहे हैं। पुलिस एक सप्ताह में ही चार्जशीट कोर्ट में दाखिल करेगी। साथ ही तमाम इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी लगाए जा रहे हैं। आरोपी को जल्द से जल्द सजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसने बेटी के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और इसके बाद गर्दन को काट दिया। लाश को बाथरूम के पास लाया और यहीं पर गर्दन को शरीर से काट डाला था। शरीर से पूरा खून निकल गया था और इसके बाद आरोपी ने बेटी की लाश को कैरट में डालकर ठिकाने लगाया। पुलिस अधिकारियों की मानें तो बेटी की हत्या करने के बाद शाहिद जमात में चला गया था। उसने अकेले ही घटना को अंजाम दिया और इसके बाद घर बंद कर चाबी पड़ोसी को दे दी। आरोपी पिछले चार दिन से जमात में ही था। अब जब रिश्तेदारों को सानिया की हत्या का अंदेशा हुआ तो उन्होंने फोन पर जानकारी की। इस दौरान सारा भेद खुल गया। इसके बाद तमाम बातों से पर्दा उठ गया और पुलिस ने आरोपी शाहिद को गिरफ्तार कर लिया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार जीत के बाद कप्तान राहुल की नजरें दूसरे वनडे में बल्लेबाजी के अभ्यास पर

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम शनिवार को उतरेगी तो कप्तान केएल राहुल यही उम्मीद कर रहे होंगे कि उन्हें बल्लेबाजी का जरूरी अभ्यास मिल सके। दोनों टीमों के प्रदर्शन में इतना अंतर है कि यह श्रृंखला पूरी तरह से एकतरफा हो गई है। भारतीय टीम का लक्ष्य टॉस जीतने पर पहले बल्लेबाजी का होगा ताकि बल्लेबाजी के लिये समय मिल सके। उछालभरी पिच और तेज हवाओं से बल्लेबाजों के लिये चुनौती आसान नहीं होगी। जिम्बाब्वे के पास जिम्मी एंडरसन और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज नहीं हैं लेकिन हालात से पार पाना भारतीय टीम के लिये चुनौतीपूर्ण होगा। दीपक चाहर ने पहले मैच के बाद कहा था कि दूसरे सत्र में गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल सकी है लेकिन पहले घंटे का खेल बल्लेबाजों के लिये आसान नहीं था। एशिया कप में शाहीन शाह अफरीदी जैसे गेंदबाजों को खेलने से पहले भारतीय टीम के लिये बल्लेबाजी अभ्यास जरूरी है। पहले मैच में शिखर धवन और शुभमन गिल से पारी की शुरूआत जारी रखने वाले कप्तान राहुल ने नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया लेकिन अब एशिया कप से पहले बल्लेबाज राहुल को भी रंगत में लौटना होगा। उन्हें पहली ही गेंद से आक्रमण की भारत की रणनीति को तुरंत अपनाना होगा। जिम्बाब्वे जैसी कमजोर टीम के खिलाफ राहुल के लिये यह सुनहरा मौका है। वहीं दीपक हुड्डा को अगर बल्लेबाजी क्रम में ऊपर उतारा जाये तो उनका आत्मविश्वास बढेगा। संजू सैमसन अगर चौथे नंबर पर उतरते हैं तो पारी के सूत्रधार की भूमिका निभा सकते हैं। कार्यवाहक कोच वीवीएस लक्ष्मण की नजरें पहले श्रृंखला जीतने और उसके बाद टीम संयोजन में प्रयोग पर होगी। धवन की बाजू में लगी चोट अगर गंभीर होती है तो ईशान किशन और राहुल का बायां दायां संयोजन पारी की शुरूआत के लिये उम्दा होगा। दीपक चाहर ने लगातार सात ओवर फेंके जो अच्छा संकेत है कि वह कार्यभार प्रबंधन में कामयाब हो रहे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा भी विविधतायें लाना चाहेंगे जबकि मोहम्मद सिराज की नजरें विकेट लेने पर लगी होंगी।

टीमें :

भारत : के एल राहुल (कप्तान), शिखर धवन , रूतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन, संजू सैमसन, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज अहमद। जिम्बाब्वे रू रेजिस चकाबवा (कप्तान), रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, ब्राडले इवांस, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया, टी कैतानो, क्लाइव माडांडे, वेसली एम, टी मारूमानी, जान मसारा, टोनी मुनियोंगा, रिचर्ड एंगारावा, विक्टर एन, सिकंदर रजा, मिल्टन शुम्बा, डोनाल्ड तिरिपानो। मैच का समय रू दोपहर 12 . 45 से।

पैरा विश्व कप : पिस्टल निशानेबाज राहुल जाखड़ ने स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

चांगवन। पिस्टल निशानेबाज राहुल जाखड़ ने विश्व निशानेबाजी पैरा खेल विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत ने शानदार शुरूआत करते हुए तीन पदक अपने नाम किये। जाखड़ ने पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच 1 फाइनल्स के शूटआफ में किम जुंगम को हराया। पूजा अग्रवाल ने 14 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। पैरालम्पिक चौम्पियन अवनि लेखरा ने नयी व्हीलचेयर और नयी राइफल के साथ खेलते हुए रजत पदक अपने नाम किया। भारत के 14 निशानेबाज इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं।

3 साल 9 महीने बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे गौतम गंभीर

एजेंसी

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे संस्करण में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट 17 सितंबर से शुरू हो रही है। गंभीर ने अपनी भागीदारी की पुष्टि करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में वापसी करके उन्हें खुशी हो रही हैं। गौतम गंभीर, जो लोकसभा के सदस्य हैं, भारत महाराजा पक्ष के लिए खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गंभीर ने कहा कि वह भारत महाराजाओं और विश्व दिग्गजों के बीच विशेष मैच के एक दिन बाद 17 सितंबर से एक्शन में उपलब्ध होंगे। भारत के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली इयोन मोर्गन के नेतृत्व वाले जायंट्स के खिलाफ विशेष मैच में महाराजाओं का नेतृत्व करेंगे क्योंकि लीजेंड्स लीग क्रिकेट कोलकाता के ईडन गार्डन में भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। गंभीर ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने 17 सितंबर से आगामी लीजेंड्स लीग क्रिकेट में भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध किया है। मैं एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर होने की प्रत्याशा में उत्साहित हूं। एक बार कंधे मिलाना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात होगी। गंभीर ने भारत के लिए 58 टेस्ट, 147 एकदिवसीय और 37 ज्20ष खेले, जिसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 से अधिक रन बनाए। गंभीर ने 2007 में भारत की यादगार टी 20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज 2011 विश्व कप के फाइनल में शो के स्टार थे, जिसे भारत ने मुंबई में फाइनल में श्रीलंका को हराकर जीता था। गंभीर इंडियन प्रीमियर लीग में भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी थे, जिसने 2012 और 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया। गंभीर ने 2018 में क्रिकेट के सभी रूपों से संन्यास ले लिया। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह–संस्थापक और सीईओ रमन रहेजा ने कहा, ष्2011 विश्व कप फाइनल में 97 रन जीतकर गौतम के मैच को कौन भूलेगा?ष मुझे यकीन है कि प्रशंसक सीजन 2 में गौतम और अन्य प्रतिष्ठित खिलाड़ियों से उसी नर्वस प्रदर्शन का अनुभव करने की उम्मीद कर रहे होंगे।

सेबी ने एआईएफ, वीसीएफ के लिए विदेशी कंपनियों में निवेश के नियमों को सरल किया

एजेंसी, नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) और उद्यम पूंजी कोषों (वीसीएफ) को उन विदेशी कंपनियों में निवेश की अनुमति दे दी है, जिनका भारत के साथ संबंध नहीं है। अभी तक एआईएफ और वीसीएफ सिर्फ उन्हीं विदेशी इकाइयों में निवेश कर सकते थे, जिनका भारत के साथ संबंध हो। मसलन ऐसी कंपनियों का यदि विदेश में कार्यालय है, तो भारत में भी कामकाज को समर्थन देने के लिए दफ्तर होना जरूरी था। सेबी की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया है, ''विदेशी निवेश के लिए कंपनी के भारतीय संबंध की जरूरत को खत्म कर दिया गया है।'' हालांकि, नियामक ने इसके साथ ही स्पष्ट किया है कि ऐसी किसी कंपनी में निवेश नहीं किया जा सकता, जो ऐसे देशों में स्थित हैं जिनकी पहचान वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने की है। इस तरह की कंपनियों के साथ धन शोधन या आतंकवाद के वित्तपोषण जैसा कोई मामला जुड़ा हो सकता है। इसके अलावा एआईएफ या वीसीएफ को उन्हीं विदेशी कंपनियों में निवेश की अनुमति होगी, जिनका गठन ऐसे देश में हुआ है, जिनके प्रतिभूति बाजार नियामक ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (आईओएससीओ) के साथ बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं या उन्होंने सेबी के साथ द्विपक्षीय समझौते पर दस्तखत किए हैं। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, एआईएफ या वीसीएफ को विदेशी निवेश सीमा के लिए एक प्रारूप में सेबी के पास आवेदन करना होगा।

एप्पल ने अपने आईफोन, आईपैड और मैक में सुरक्षा खामी को लेकर किया आगाह

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी 'एप्पल' ने आईफोन, आईपैड और मैक में गंभीर सुरक्षा खामियों का खुलासा किया है, जिसकी वजह से संभावित रूप से हमलावर इन उपकरणों पर पूर्ण नियंत्रण पा सकते हैं। कंपनी ने कहा कि वह '' इस संबंध में उस रिपोर्ट से अवगत हैं कि इसका (खामी का) काफी फायदा उठाया जा सकता है।'' एप्पल ने बुधवार को इस संबंध में दो सुरक्षा रिपोर्ट जारी की। सुरक्षा विशेषज्ञों ने उपयोगकर्ताओं को प्रभावित उपकरणों को अपडेट करने की सलाह दी है, जिसमें आईफोन 6एस और बाद के मॉडल, आईपैड के 5वीं पीढ़ी और बाद के कई मॉडल, सभी आईपैड–प्रो मॉडल, आईपैड एयर–2 और मैकओएस मोंटेरी से युक्त मैक कंप्यूटर शामिल हैं। यह कुछ आईपॉड मॉडल को भी प्रभावित कर सकता है।

'सोशलप्रूफ सिक्योरिटी' की मख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रेचल टोबैक ने बताया कि एप्पल के इस स्पष्टीकरण का मतलब है कि एक हैकर की ''डिवाइस तक पूर्ण पहुंच'' हो सकती है और वे ''वास्तविक उपयोगकर्ता बनकर किसी भी कोड को हासिल कर सकते हैं।'' टोबैक ने कहा कि सार्वजनिक रूप से सक्रिय रहने वाले लोगों को अपने सॉफ्टवेयर अपडेट करते समय विशेष रूप से चौकस रहना चाहिए। जैसे कार्यकर्ता या पत्रकार क्योंकि इन्हें निशाना बनाया जा सकता है।

वाणिज्य मंत्रालय ने चीन से आने वाली दवा पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की

एजेंसी, नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू कंपनियों के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न संक्रमणों के उपचार में उपयोग की जाने वाली चीन निर्मित दवा ऑफ्लॉक्सासिन पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अपनी जांच में पाया कि चीन से इस दवा को भारत में डंपिंग मूल्य पर भेजा जाता है जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित होता है। निदेशालय ने अधिसूचना में कहा, ''प्राधिकार पांच वर्ष की अवधि के लिए इस उत्पाद पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करता है।'' आरती ड्रग्स लिमिटेड ने चीन द्वारा दवा को डंपिंग मूल्य पर भेजने की शिकायत की थी और जांच की मांग की थी जिसके बाद डीजीटीआर ने इस विषय में जांच की थी।

शेयर बाजार में तेजी पर विराम, सेंसेक्स 652 अंक टूटकर 60,000 अंक से नीचे उतरा

एजेंसी

नयी दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कई दिन से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स लगभग 652 अंक का गोता लगाकर 60,000 अंक से नीचे उतर गया। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुला। लेकिन बाद में नुकसान में आ गया और अंत में 651.85 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,646.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 823.43 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 198.05 अंक यानी 1.10 प्रतिशत बड़ी गिरावट के साथ 17,758.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट बृहस्पतिवार को बढ़त में रहा था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''कमजोर वैश्विक रुख के बीच मुनाफावसूली से घरेलू शेयर बाजार पर असर पड़ा। ब्याज दरों में वृद्धि का असर बाजार पर दिखा...बिकवाली चौतरफा रही। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों के शेयरों में गिरावट से सूचकांक नीचे आया है।'' इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 95.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ो के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक कई दिन के बाद शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को 1,706 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाने का फैसला हैरान करने वाला: विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्थानीय तेल उत्पादकों पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती उम्मीद के मुताबिक है, लेकिन ऐसा अनुमान नहीं था कि विमान ईंधन (एटीएफ) और डीजल निर्यात पर कर में वृद्धि की जाएगी क्योंकि स्थानीय बाजारों में इनकी अच्छी आपूर्ति हो रही है। विश्लेषकों ने शुक्रवार को यह राय जताई। सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर की तीसरे पखवाड़े की समीक्षा में डीजल के निर्यात पर कर पांच रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर सात रुपये प्रति लीटर कर दिया है, वहीं विमान ईंधन के निर्यात पर फिर दो रुपये प्रति लीटर का कर लगाया गया है। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर कर को 17,750 रुपये प्रति टन से घटाकर 13,000 रुपये प्रति टन किया गया है। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर खत्म कर दिया था। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में कहा, ''इस पखवाड़े की समीक्षा में भारत में तेल उत्पादकों के लिए अप्रत्याशित लाभ कर में जो कटौती की गई है वह उम्मीदों के अनुरूप है।'' इसमें आगे कहा गया, ''हालांकि विमान ईंधन और डीजल के निर्यात पर कर में वृद्धि की हमें उम्मीद नहीं थी क्योंकि स्थानीय बाजारों में पर्याप्त आपूर्ति हो रही है। घरेलू स्तर पर कच्चे तेल पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती तेल की कीमतों में गिरावट आने के मद्देनजर की गई है। सरकार ने एक जुलाई को पेट्रोल और एटीएफ पर छह रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। इसके अलावा कच्चे तेल के घरेलू उत्पादन पर 23,250 रुपये प्रति टन का अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। उस समय वित्त मंत्रालय ने कहा था कि हर पखवाड़े कर की समीक्षा की जाएगी। पहले पखवाड़े की समीक्षा के बाद, 20 जुलाई को सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर की दर से लागू निर्यात शुल्क को खत्म कर दिया था। वहीं डीजल एवं एटीएफ के निर्यात पर लगने वाले कर में दो–दो रुपये की कटौती कर इसे क्रमशः 11 रुपये एवं चार रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले कर को भी 23,250 रुपये प्रति टन से घटाकर 17,000 रुपये प्रति टन कर दिया गया। सरकार ने दो अगस्त को डीजल के निर्यात पर कर को 11 रुपये से घटाकर पांच रुपये प्रति लीटर कर दिया, वहीं एटीएफ पर इसे खत्म करने का फैसला लिया गया है। इसी तरह, पेट्रोल के निर्यात पर शून्य कर जारी रखा लेकिन घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर कर 17,000 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 17,750 रुपये प्रति टन कर दिया गया।

संयुक्तराष्ट्र के प्रमुख और तुर्की के राष्ट्रपति ने की वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात

एजेंसी

ल्वीव (यूक्रेन)। यूक्रेन में करीब छह महीने से जारी युद्ध को रोकने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस और तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी इस संबंध चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकतर जिन भी मुद्दों पर चर्चा की गई उन पर क्रेमलिन की रजामंदी जरूरी है। रूस के यहां सैन्य कार्रवाई शुरू करने के बाद एर्दोआन पहली बार यूक्रेन यात्रा पर पहुंचे हैं और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस दूसरी बार। इस यात्रा से युद्ध रोकने के संबंध में,

समग्र शांति की नहीं तो कम से कम विशिष्ट मुद्दों पर कुछ सफलता मिलने की उम्मीद थी... हालांकि अभी तक ऐसा कुछ होता नजर नहीं आ रहा। यूक्रेन के पश्चिमी शहर ल्वीव में आयोजित एक बैठक में नेताओं ने युद्ध के कैदियों के आदान–प्रदान पर और यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को सुरक्षित बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के परमाणु ऊर्जा विशेषज्ञों की यात्रा की व्यवस्था करने को लेकर चर्चा की। एर्दोआन ने कई बार युद्ध रोकने की दिशा में प्रयास किया है। तुर्की उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य है, जिसकी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था व्यापार के लिए रूस पर निर्भर है और उसने दोनों देशों के बीच एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश की है। तुर्की के राष्ट्रपति ने बैठक के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय से युद्ध को समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास जारी रखने का आग्रह किया। रूस के फरवरी में यूक्रेन पर हमला करने के बाद से हजारों लोग मारे गए हैं, जबकि एक करोड़ से अधिक यूक्रेनवासियों को अपने घर छोड़ने पड़े। एर्दोआन ने एक बार फिर दोहराया कि तुर्की एक ''मध्यस्थ और सूत्रधार'' की भूमिका निभाने को तैयार है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि युद्ध बातचीत के जरिए ही समाप्त किया जा सकता है।'' तुर्की ने मार्च में इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि युद्ध रोकने के लिए उसमें कोई सफलता हासिल नहीं हो पाई थी। इस बीच, यूक्रेन के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र पर रूसी मिसाइल हमलों में रात भर में कम से कम 17 लोगों की जान चली गई। वहीं, रूस की सेना ने दावा किया कि उसने खारकीव में विदेशी सैनिकों के एक अड्डे पर हमला किया, जिसमें 90 लोग मारे गए। यूक्रेन की ओर से इस संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

उत्तरी सीरिया के बाजार में विस्फोट, कम से कम नौ लोगों की मौत, दर्जनों घायल

एजेंसी

बेरूत। उत्तरी सीरिया में तुर्की समर्थित विपक्षी लड़ाकों के कब्जे वाले एक शहर के भीड़–भाड़ वाले बाजार में शुक्रवार को एक रॉकेट हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। युद्ध पर नजर रखने वाली एक विपक्षी संस्था और एक पराचिकित्सक समूह ने यह जानकारी दी। अल–बाब में किए गए इस हमले से कुछ ही दिन पहले तुर्की के हवाई हमलों में कम से कम 11 सीरियाई सैन्य कर्मियों और अमेरिका समर्थित कुर्द लड़ाकों की मौत हो गई थी। युद्ध पर नजर रखने वाली एक विपक्षी संस्था 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने इस गोलाबारी के लिए सीरिया सरकार के बलों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि तुर्की के हवाई हमले का प्रतिशोध लेने के लिए इसे अंजाम दिया गया। उसने कहा कि इस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए, जबकि विपक्ष नियंत्रित 'सीरियन सिविल डिफेंस' यानी 'व्हाइट हेलमेट्स' के अनुसार, बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हुई है और 28 लोग घायल हुए हैं। इस पराचिकित्सक समूह ने कहा कि उसके सदस्यों ने कुछ घायलों और शवों को बाहर निकाला। सीरिया में किसी हमले के तत्काल बाद विभिन्न संस्थाओं द्वारा बताई गई मृतक संख्या में अंतर कोई नयी बात नहीं है। सीरिया में मार्च 2011 में शुरू हुए संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं और देश की आधी आबादी विस्थापित हो गई है।

अमेरिका में महात्मा गांधी की तोड़ी गई प्रतिमा, दो हफ्ते में होने वाली ये दूसरी घटना

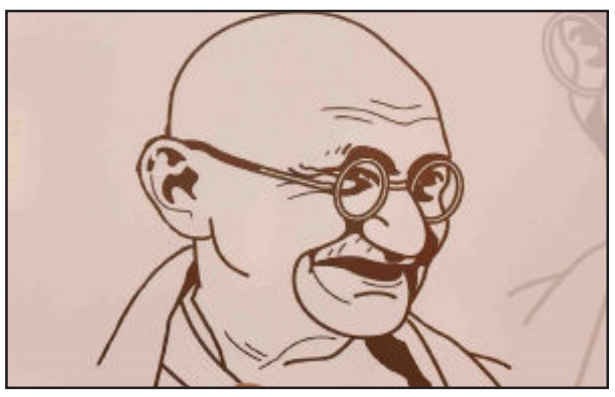

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा को शरारती तत्वों ने तोड़ दिया। पिछले दो सप्ताह में इस तरह का यह दूसरा मामला है। न्यूयॉर्क के क्वीन्स काउंटी के एक हिंदू मंदिर के बाहर महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जिसे कुछ शरारती तत्वों ने तोड़ दिया है। यह घटना 16 अगस्त की हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने बताया कि 6 लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया। इन लोगों ने श्री तुलसी मंदिर के बाहर एक हथौड़े से प्रतिमा को नष्ट किया और उसके चारों ओर नफरत भरे शब्दों को चित्रित किया। इससे पहले 3 अगस्त को महात्मा गांधी की प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़ने वाले एक सफेद मर्सिडीज बेंज और एक गहरे रंग की कार में घटनास्थल से भाग गए, जो कि एक टोयोटा कैमरी हो सकती है, जिसका इस्तेमाल किराए के वाहन के रूप में किया जाता है। इस बीच न्यूयॉर्क राज्य विधानसभा के सदस्य जेनिफर राजकुमार ने इस घटना की निंदा की और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उन पर मुकदमा चलाने का आह्वान किया।

पनबिजली परियोजनाओं के लिए नेपाल और भारत के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के निवेश बोर्ड (आईबीएन) और भारत के एनएचपीसी लिमिटेड ने नेपाल में 1200 मेगावाट बिजली उत्पादन की संयुक्त क्षमता वाली दो बड़ी पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण के लिए बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। आईबीएन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुशील भट्ट और एनएचपीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अभय कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर नेपाल के वित्त मंत्री जनार्दन शर्मा, उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री दिलेन्द्र प्रसाद बदु और ऊर्जा मंत्री पम्फा भूषल मौजूद थे। पनबिजली के लिए नेपाल और भारत के बीच हुआ यह सबसे बड़ा एमओयू है। वेस्ट सेती पनबिजली (750 मेगावाट) और सेती नदी 6 पनबिजली परियोजना पर संयुक्त रूप से 2.1 अरब डॉलर का खर्च आएगा।

अमेरिकी वायु सेना ने कहा, अब बेरोकटोक पेंटागन जा सकते हैं भारतीय रक्षा अताशे

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारतीय रक्षा अताशे अब बिना किसी रोक–टोक (अनएस्कॉर्ट) के पेंटागन जा सकते हैं। रक्षा अताशे आमतौर पर राजनयिक मिशन से संबद्ध एक सैन्य विशेषज्ञ होता है। अमेरिकी वायु सेना के सेक्रेटरी फ्रैंक केन्डाल ने अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को 'इंडिया हाउस' में आयोजित भोज के दौरान कहा कि इस तरह का कदम उस भरोसे और सहयोग को रेखांकित करता है जो अमेरिका और भारत के बीच हैं। केन्डाल ने कहा कि भारतीय (रक्षा) अताशे टीम अब बेरोकटोक पेंटागन मेंजा सकती है। यह अहम रक्षा साझेदार के तौर पर भारत के साथ हमारे संबंधों की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अगर आपको नहीं लगता कि पेंटागन तक बिना बाधा के पहुंच बड़ी बात है तो बता दूं कि मैं पेंटागन में अनुरक्षक (एस्कॉर्ट) के बिना नहीं जा सकता। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में जाने की अनुमति पाना बेहद मुश्किल काम माना जाता है। यहां तक की अमेरिकी नागरिक भी उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी के बिना वहां नहीं जा सकते। केन्डाल ओबामा प्रशासन के दौरान भारतीय मुद्दों पर काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि तभी से यह इच्छा थी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में संबंध मजबूत हों। उन्होंने कहा कि भारत वह देश है जिसके साथ हम किसी अन्य देश की तुलना में ज्यादा अभ्यास करते हैं। हमारे दीर्घकालिक करीबी संबंध हैं और हम इसे बनाने तथा मजबूत करने में सफल रहे हैं. ...। केन्डाल ने कहा कि 'द डिफेंस ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी' संबंधी पहल मजबूत हुई है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की दौड़ में बने रहने को लेकर उत्साहित हूं : रिषि सुनक

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार ऋषि सुनक ने कहा है कि वह दौड़ में बने रहने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने यह बात पार्टी के मतदाताओं के सर्वेक्षण में अपनी प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस से पिछड़ने के बाद कही। पूर्व वित्त मंत्री सुनक ने 'आईटीवी' चौनल को बृहस्पतिवार को दिए साक्षात्कार में कहा कि उन्हें निश्चित रूप से जीत मिलेगी। उन्होंने दोहराया कि उनकी प्रतिद्वंद्वी की तत्काल कर–कटौती योजना अर्थव्यवस्था के लिए महंगी साबित होगी। भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता सुनक ने कहा, मैं प्रधानमंत्री पद की दौड़ में बने रहने को लेकर उत्साहित हूं, मुझे लगता है कि मेरे विचार सही हैं। इससे पहले बृहस्पतिवार को 'स्काई न्यूज' के लिए यूजीओवी सर्वेक्षण में कहा गया है कि ट्रस ने इस दौड़ में 32 अंक की बढ़त बना रखी है। बोरिस जॉनसन के मंत्रिमंडल के सदस्य रह चुके सुनक ने 'आईटीवी' पर व्यापक चर्चा के दौरान स्वीकार किया कि यह थोड़ा अजीब था कि जॉनसन ने पिछले महीने टोरी नेता और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देने की घोषणा करने में देरी की। उन्होंने जुलाई के अंत में 'डाउनिंग स्ट्रीट' में हुए नाटकीय घटनाक्रम की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंतिम दिनों में जो कुछ हुआ वह थोड़ा अजीब था। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इसे देखने वाले लोग सोच रहे होंगे कि यह क्या हो रहा है।'' इस घटनाक्रम के बाद जॉनसन ने इस्तीफा देने की घोषणा की थी और उनकी जगह नए प्रधानमंत्री के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जॉनसन के इस्तीफे से पहले ही सुनक वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे चुके थे।

उत्तरी कैलिफोर्निया में हवाई अड्डे पर उतरते समय दो विमानों की टक्कर में दो लोगों की मौत

एजेंसी

कैलिफोर्निया (अमेरिका)। उत्तरी कैलिफोर्निया में स्थानीय हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश करते समय दो विमानों के बीच बृहस्पतिवार को टक्कर हो गई, जिससे विमान में सवार तीन लोगों में से कम से कम दो की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वॉट्सनविले शहर ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर बताया कि 'वॉट्सनविले म्यूनिसिपल एयरपोर्ट' पर दोपहर तीन बजे से कुछ समय पहले यह हादसा हुआ। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के अनुसार, हादसे के दौरान दो इंजन वाले 'सेसना 340' में दो लोग सवार थे और एकल इंजन वाले 'सेसना 152' में केवल पायलट सवार था। हताहत हुए लोगों का आंकड़ा अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। विमानों के हवाई अड्डे पर उतरते समय यह हादसा हुआ। हवाई अड्डे पर हालांकि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड मामले की जांच कर रहे हैं।

पाकिस्तान की सेना ने भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कुछ नहीं किया: इमरान खान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना की आलोचना करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना को इतिहास में देश में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए कुछ नहीं करने के वास्ते जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इस्लामाबाद में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के नेता ने सेना के लिए "तटस्थ" शब्द का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि सेना को तटस्थ रहने की अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए और देश की खराब होती आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कदम उठाना चाहिए। खान ने कहा, "मैं आज उन तटस्थ लोगों से पूछना चाहता हूं। क्या आपको पता है कि देश कहां जा रहा है? देश और अर्थव्यवस्था प्रगति कैसे कर सकते हैं जब आपको यह भी पता न हो कि अगले दो तीन महीने में क्या होगा।

स्कूलों में लड़का–लड़कियां का एक साथ बैठना खतरनाक, पढ़ाई से विचलित होंगे छात्र: केरल मुस्लिम नेता

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के एक मुस्लिम नेता ने दावा किया है कि स्कूलों में लड़का–लड़कियां का एक साथ बैठना खतरनाक है। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो सकता है। दरअसल यह बयान केरल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के महासचिव प्रभारी पीएमए सलाम ने दिया है। उन्होंने कहा कि लड़कों और लड़कियों को स्कूल की कक्षाओं में एक साथ बैठने की अनुमति देना खतरनाक है। केरल के नेता का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य सरकार अपने यहां लिंग–तटस्थ शिक्षा प्रणाली शुरू करने के प्रयास कर रही है। लिंग–तटस्थ यानी जेंडर न्यूट्रैलिटी एक ऐसा विचार है जहां लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। सलाम ने केरल सरकार की लिंग–तटस्थ नीतियां की आलोचना करते हुए कहा, ष्यह खतरनाक है। लड़कियों और लड़कों को कक्षाओं में एक साथ बैठने की क्या आवश्यकता है? आप उन्हें क्यों मजबूर कर रहे हैं या ऐसे अवसर ही क्यों पैदा कर रहे हैं? इससे केवल समस्याएं ही होंगी। छात्र पढ़ाई से विचलित हो जाएंगे। उन्होंने कहा, लैंगिक तटस्थता एक धार्मिक मुद्दा नहीं बल्कि एक नैतिक मुद्दा है। सरकार छात्रों पर लिंग–तटस्थ यूनिफॉर्म थोपने की कोशिश कर रही है। लैंगिक तटस्थता छात्रों को गुमराह करेगी। हम सरकार से इसे वापस लेने के लिए कहेंगे।ष इससे पहले, मुस्लिम संगठनों ने सरकार से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में लिंग–तटस्थ विचारों को थोपने के कदम से हटने को कहा था। उन्होंने वामपंथी नेतृत्व वाली सरकार पर शैक्षणिक संस्थानों में उदार विचारधारा को लागू करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

इस्लामाबाद सहित पूरे पाकिस्तान में ठप्प हुआ इंटरनेट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शुक्रवार को भारी बारिश के कारण ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क में तकनीकी खराबी आ गई। इससे राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद सहित विभिन्न इलाकों में इंटरनेट सेवा ठप्प हो गई। हालांकि, बाद में सेवाओं को बहाल कर दिया गया। पाकिस्तान दूरसंचार कंपनी लिमिटेड (पीटीसीएल) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पीटीसीएल के अधिकारियों ने कहा कि इसके ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क में कुछ समस्याओं के कारण व्यवधान उत्पन्न हुआ, जिसे बाद में दूर कर लिया गया। पीटीसीएल ने एक ट्वीट में कहा, ष्भारी बारिश और बाढ़ के कारण पीटीसीएल ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क में तकनीकी खराबी को ठीक कर दिया गया है और इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।ष उन्होंने कहा कि देश में सभी इंटरनेट सेवाएं सामान्य हो गई हैं। इससे पहले पाकिस्तान टेलीकॉम अथॉरिटी (पीटीए) ने कहा कि दक्षिण और उत्तर (पाकिस्तान) में डेटा नेटवर्क में कुछ खराबी की सूचना मिली थी, जिससे इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या हुई। प्राधिकरण ने कहा, ष्इस समस्या की जांच की जा रही है। पीटीए स्थिति की निगरानी कर रहा है और आगे के अपडेट साझा किए जाएंगे।" इंटरनेट कनेक्टिविटी बंद होने के कारण इस्लामाबाद और लाहौर सबसे ज्यादा प्रभावित केंद्रों में से एक थे।

शौर्य और साहस की प्रतीक हैं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना अवंतीबाई लोधी

वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म पिछड़े वर्ग के लोधी राजपूत समुदाय में 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी, जिला सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। वीरांगना अवंतीबाई लोधी की शिक्षा दीक्षा मनकेहणी ग्राम में ही हुई।

आज भी भारत की पवित्र भूमि ऐसे वीर–वीरांगनाओं की कहानियों से भरी पड़ी है जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश के आजाद होने तक भिन्न–भिन्न रूप में अपना अहम योगदान दिया। लेकिन भारतीय इतिहासकारों ने हमेशा से उन्हें नजरअंदाज किया है। देश में सरकारों या प्रमुख सामाजिक संगठनों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए लोगों के जो कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं वो सिर्फ और सिर्फ कुछ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के होते हैं। लेकिन बहुत से ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं जिनके अहम योगदान को न तो सरकारें याद करती हैं न ही समाज याद करता है। लेकिन उनका योगदान भी देश के अग्रणी श्रेणी में गिने जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से कम नहीं है। जितना योगदान स्वतंत्रता संग्राम में देश के अग्रणी श्रेणी में गिने जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का था, उतना ही उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान है जिनको हमेशा से इतिहासकारों ने अपनी कलम से वंचित और अछूत रखा है। भारत की पूर्वाग्रही लेखनी ने देश के बहुत से त्यागी, बलिदानियों, शहीदों और देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर–वीरांगनाओं को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की पुस्तकों में उचित सम्मानपूर्ण स्थान नहीं दिया है। परन्तु आज भी इन वीर–वीरांगनाओं की शोर्यपूर्ण गाथाएं भारत की पवित्र भूमि पर गूंजती हैं और उनका शोर्यपूर्ण जीवन प्रत्येक भारतीय के जीवन को मार्गदर्शित करता है। ऐसी ही 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की एक वीरांगना हैं रानी अवंतीबाई लोधी जिनके योगदान को हमेशा से इतिहासकारों ने कोई अहम स्थान न देकर नाइंसाफी की है। आज देश में बहुत से लोग हैं जो इनके बारे में जानते भी नहीं है। लेकिन इनका योगदान भी 1857 के स्वाधीनता संग्राम की अग्रणी नेता वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई जी से कम नहीं हैं। लेकिन इतिहासकारों की पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता ने हमेशा से इनके बलिदान और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को नजरअंदाज किया है।

परन्तु वीरांगना अवंतीबाई लोधी आज भी लोककाव्यों की नायिका के रूप में हमें राष्ट्र के निर्माण, शौर्य, बलिदान व देशभक्ति की प्रेरणा प्रदान कर रही हैं। लेकिन हमारे देश की सरकारों ने चाहे केंद्र की जितनी सरकारे रही हैं या राज्यों की जितनी सरकारें रही हैं उनके द्वारा हमेशा से वीरांगना अवंतीबाई लोधी की उपेक्षा होती रही है। वीरांगना अवंतीबाई जितने सम्मान की हकदार थीं वास्तव में उनको उतना सम्मान नहीं मिला। वीरांगना अवंतीबाई लोधी का अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष एवं बलिदान से सम्बन्धित ऐतिहासिक जानकारी समकालीन सरकारी पत्राचार, कागजातों व जिला गजेटियरों में बिखरी पड़ी है। इन ऐतिहासिक समकालीन सरकारी पत्राचार, कागजातों व जिला गजेटियरों का संकलन और ऐतिहासिक विवेचन समय की माँग है। देश की केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार को इस ऐतिहासिक जानकारी और सामग्री का संकलन करना चाहिए और उसकी व्याख्या आज के इतिहासकारों से करानी चाहिए। वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म पिछड़े वर्ग के लोधी राजपूत समुदाय में 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी, जिला सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। वीरांगना अवंतीबाई लोधी की शिक्षा दीक्षा मनकेहणी ग्राम में ही हुई। अपने बचपन में ही इस कन्या ने तलवारबाजी और घुड़सवारी करना सीख लिया था। लोग इस बाल कन्या की तलवारबाजी और घुड़सवारी को देखकर आश्चर्यचकित होते थे। वीरांगना अवंतीबाई बाल्यकाल से ही बड़ी वीर और साहसी थी। जैसे–जैसे वीरांगना अवंतीबाई बड़ी होती गयीं वैसे–वैसे उनकी वीरता के किस्से आसपास के क्षेत्र में फैलने लगे। पिता जुझार सिंह ने अपनी कन्या अवंतीबाई लोधी का सजातीय लोधी राजपूतों की रामगढ़ रियासत, जिला मण्डला के राजकुमार से करने का निश्चय किया। जुझार सिंह की इस साहसी बेटी का रिश्ता रामगढ़ के राजा लक्ष्मण सिंह ने अपने पुत्र राजकुमार राजकुमार विक्रमादित्य सिंह के लिए स्वीकार कर लिया। इसके बाद जुझार सिंह की यह साहसी कन्या रामगढ़ रियासत की कुलवधू बनी। सन् 1850 में रामगढ़ रियासत के राजा और वीरांगना अवंतीबाई लोधी के ससुर लक्ष्मण सिंह की मृत्यु हो गई और राजकुमार विक्रमादित्य सिंह का रामगढ़ रियासत के राजा के रूप में राजतिलक किया गया। लेकिन कुछ सालों बाद राजा विक्रमादित्य सिंह अस्वस्थ्य रहने लगे। उनके दोनों पुत्र अमान सिंह और शेर सिंह अभी छोटे थे, अतः राज्य का सारा भार रानी अवंतीबाई लोधी के कन्धों पर आ गया। वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने वीरांगना झाँसी की रानी की तरह ही अपने पति विक्रमादित्य के अस्वस्थ होने पर ऐसी दशा में राज्य कार्य संभाल कर अपनी सुयोग्यता का परिचय दिया और अंग्रेजों की चूलें हिला कर रख दीं। इस समय लॉर्ड डलहौजी भारत में ब्रिटिश राज का गवर्नर जनरल था, लॉर्ड डलहौजी का प्रशासन चलाने का तरीका साम्राज्यवाद से प्रेरित था। उसके काल मे राज्य विस्तार का काम अपने चरम पर था। भारत में लॉर्ड डलहौजी की साम्राज्यवादी नीतियों और उसकी राज्य हड़प नीति की वजह से देश की रियासतों में हल्ला मचा हुआ था। लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़प नीति के अन्तर्गत जिस रियासत का कोई स्वाभाविक बालिग उत्तराधिकारी नहीं होता था ब्रिटिश सरकार उसे अपने अधीन कर रियासत को ब्रिटिश साम्राज्य में उसका विलय कर लेती थी। इसके अलावा इस हड़प नीति के अंतर्गत डलहौजी ने यह निर्णय लिया कि जिन भारतीय शासकों ने कंपनी के साथ मित्रता की है अथवा जिन शासकों के राज्य ब्रिटिश सरकार के अधीन है और उन शासकों के यदि कोई पुत्र नहीं है तो वह बिना अंग्रेजी हुकूमत कि आज्ञा के किसी को गोद नहीं ले सकता। अपनी राज्य हड़प नीति के तहत डलहौजी कानपुर, झाँसी, नागपुर, सतारा, जैतपुर, सम्बलपुर, उदयपुर, करौली इत्यादि रियासतों को हड़प चुका था। रामगढ़ की इस राजनैतिक स्थिति का पता जब अंग्रेजी सरकार को लगा तो उन्होंने रामगढ़ रियासत को 'कोर्ट ऑफ वार्डस' के अधीन कर लिया और शासन प्रबन्ध के लिए एक तहसीलदार को नियुक्त कर दिया। रामगढ़ के राज परिवार को पेन्शन दे दी गई। इस घटना से रानी वीरांगना अवंतीबाई लोधी काफी दुखी हुई, परन्तु वह अपमान का घूँट पीकर रह गई। रानी उचित अवसर की तलाश करने लगी। मई 1857 में अस्वस्थता के कारण राजा विक्रमादित्य सिंह का स्वर्गवास हो गया। सन 1857 में जब देश में स्वतंत्रता संग्राम छिड़ा तो क्रान्तिकारियों का सन्देश रामगढ़ भी पहुंचा। रानी तो अंग्रेजों से पहले से ही जली भुनी बैठी थीं क्योंकि उनका राज्य भी झाँसी और अन्य राज्यों की तरह कोर्ट कर लिया गया था और अंग्रेज रेजिमेंट उनके समस्त कार्यों पर निगाह रखे हुई थी। रानी ने अपनी ओर से क्रान्ति का सन्देश देने के लिए अपने आसपास के सभी राजाओं और प्रमुख जमींदारों को चिट्ठी के साथ कांच की चूड़ियां भिजवाईं उस चिट्ठी में लिखा था– "देश की रक्षा करने के लिए या तो कमर कसो या चूड़ी पहनकर घर में बैठो तुम्हें धर्म ईमान की सौगंध। जो इस कागज का सही पता बैरी को दो।

जन्माष्टमी पर ही नहीं वैसे भी रखें घर में मोरपंख और कामधेनु

जन्माष्टमी का त्योहार हो तो घर में कामधेनु और मोरपंख तो जरूर रखनी चाहिए। इसके अलावा भी वास्तु के लिहाज से कामधेनु को घर और ऑफिस में रखने से घर में सुख समृद्धि और दन संपदा आती है। घर में जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के मुकुट पर मोरपंख तो आप जरूर लगाते होंगे, लेकिन वास्तु एक्सपर्ट की मानें तो घर में मोरपंख लगाना बहुत शुभ होता है। यह कई प्रकार के वास्तु विकारों को घर से समाप्त करता है। ऐसा कहा जाता है कि जिन लोगों की कुंडली में राहू दोष हो तो उन्ध्हें भी अपने पास मोरपंख रखना चाहिए। अगर आप परेशान हैं और मुसीबत में हैं तो घर के कमरे में मोर पंख लगाएं। हालांकि मोरपंख अग्धनिकोण में ही लगाना चाहिए। मोरपंख को हमेशा शुभ अवसर पर ही खरीदना चाहिए, जैसे जन्माष्टमी आदि। मोरपंख को दक्षिणी–पूर्वी कोने में लगाने से घर में हमेशा बरकत बनी रहती है और धन की कमी नहीं होती। कामधेनु माता और कृष्ण जी के बारे में तो सभी जानते होंगे। मां कामधेनु को घर में रखने से मानसिक तनाव के साथ घर में आर्थिक समस्या दूर होती है। इसके उत्तर दिशा या पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। अगर पूजा घर में न रखें तो इसे प्रवेश द्वार में रख सकते हैं। मां कामधेनु से घर में धनसंपदा की कोई कमी नहीं होती है। जिनके संतान नहीं, उन्हें बछड़े वाली कामधेनु घर में रखनी चाहिए। कहते हैं कि कामधेनु को संमुद्र मंधन में से निकाले गए रत्नों में से निकाला गया था।

जन्माष्टमी व्रत से होता है पापों का शमन, मां लक्ष्मी की बरसती है विशेष कृपा

भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण

जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस महापर्व का सुखद संयोग 19 अगस्त शुक्रवार को प्राप्त हो रहा है। ज्योतिष एवं तंत्र आचार्य डा.शैलेश मोदनवाल ने बताया कि उक्त दिन उदया तिथि से ही अष्टमी तिथि मिल रही है जो रात्रि 01 बजकर 06 मिनट तक रहेगी। कृतिका नक्षत्र रहेगी तथा रोहिणी भोर में 4.58 बजे के बाद लगेगी। भविष्य पुराण के अनुसार जन्माष्टमी व्रत से सात जन्मों के पाप नष्ट हो जाते है। स्कंदपुराण के अनुसार उक्त व्रत रखने से लक्ष्मी की प्राप्ति व कार्यों की सिद्धि होती है। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उक्त व्रत को कोटि गुना अधिक फलदायी कहा गया है। मध्य रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के बाल विग्रह रूप का ध्यान करें। उन्हें पंचामृत से स्नान कराकर उनके श्री चरणों को धोकर नववस्त्र से अलंकृत कर माखन मिश्री का भोग लगाकर षोडशोपचार से पूजन करें। उन्हें पालने में झुलाएं और ध नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप तथा गोपाल सहस्त्र नाम का पाठ करें। श्री कृष्ण जन्माष्टमी आज पूरे उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस बार वृद्धि व ध्रुव योग का विशेष संयोग भी रहेगा। जन्माष्टमी पर इन योगों में पूजा करने से घर की सुख–संपत्ति में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी का वास होता है।

जन्माष्टमी को अच्छी तरह सेलिब्रेट करने के लिए हर किसी को याद रखनी चाहिए ये पांच जरूरी बातें

जन्माष्टमी का दिन कृष्ण भक्तों के लिए खास होता है। इस दिन हर तरफ चहल–पहल देखने को मिलती है। ऐसे में कभी–कभी ऐसा भी होता है कि उत्सव के इस रंग में किसी बात से मूड खराब हो जाता है या फिर छोटी–सी गलती हमारी सेफ्टी पर भारी पड़ जाती है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि छोटी–छोटी बातों का भी ख्याल रखा जाए, जिससे कि आपके फेस्टिव मूड का मजा बरकरार रह सके। ऐसे में आपको कुछ चीजों पर ध्यान देना जरूरी है।

व्रत है, तो पानी पीना न भूलें

आपने अगर जन्माष्टमी पर व्रत रखा है, तो खास ख्याल रखें कि फलाहार करने के साथ पानी जरूर पिएं। पानी न पीने से आपको डिहाइड्रेशन हो सकता है। ऐसे में कमजोरी भी आ सकती है। इसके अलावा किसी भी तरह के हेल्थ इश्यू से बचने के लिए आपको पानी जरूर पीना है।

परफेक्शन की तरफ न भागें

हर काम को दिल से करना बहुत अच्छी बात है लेकिन अपने मन मुताबिक काम न होने पर झुंझलाएं नहीं, इससे त्योहार का कोई अर्थ नहीं रहेगा। पकवान, प्रसाद या सजावट को लेकर पूरे दिन परेशान न रहे। जितना हो गया या आप कर पाए हैं, उसमें ही खुश रहने की कोशिश करें। भगवान आपका भाव देखकर खुश होते हैं।

बच्चों पर प्रेशर न डालें

जन्माष्टमी पर सुंदर झांकियां निकाली जाती हैं। बच्चों को कृष्ण–राधा के रूप में तैयार किया जाता है। बच्चे देखने में बहुत ही सुंदर लगते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप छोटे बच्चों को जबरदस्ती हैवी ड्रेसेस और मेकअप भी रखें। आपका बच्चा अगर कम्फर्टेबल नहीं है, तो उस पर प्रेशर डालकर तैयार न कराएं।

दही–हांडी पर ध्यान दें

आपके मुहल्ले में अगर दही–हांडी की प्लानिंग है या फिर बच्चे इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, तो उनकी सेफ्टी का ध्यान रखें। दही–हांडी प्रतियोगिता से ज्यादा जन्माष्टमी उत्सव एक हिस्सा है इसलिए ज्यादा ऊंचाई के चक्कर में किसी की सेफ्टी से समझौता न करें। इसे प्रतीकात्मक ही रहने दें।

धैर्य रखें

कई लोग सेलिब्रेशन या फिर किसी त्योहार में अति उत्साहित हो जाते हैं और फिर वे लोगों पर गुस्सा दिखाना शुरू कर देते हैं। ऐसे में आपको याद रखने की जरूरत है कि जन्माष्टमी प्रेम का त्योहार है इसलिए प्रेम भाव बनाए रखें और धैर्य भी।

कान्हा से द्वारिकाधीश बनने तक बांके बिहारी की हर लीला है अद्भुत

हर साल भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को कन्हैया का जन्मोत्सव दुनियाभर में मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापरयुग में धरती पर जन्म लिया। भगवान श्रीकृष्ण को श्रीहरि का आठवां अवतार कहा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण नारायण के पूर्ण अवतार हैं। पृथ्वी पर जन्म लेने के बाद कृष्ण अवतार में भगवान ने बहुत सी लीलाएं की। कान्हा से लेकर द्वारिकाधीश बनने तक उन्होंने कठिन सफर तय किया। भगवान श्रीकृष्ण 64 कलाओं में निपुण हैं। उन्होंने ये 64 कलाएं गुरु संदीपनि से 64 दिनों में सीख लीं थीं। भगवान श्रीकृष्ण के कुल 108 नाम हैं। भगवान श्रीकृष्ण की दूसरी माता का नाम रोहिणी था। रोहिणी के पुत्र का नाम बलराम था जो कि शेषनाग के अवतार थे। भगवान श्रीकृष्ण के धनुष का नाम सारंग और अस्त्र का नाम सुदर्शन चक्र था। भगवान श्रीकृष्ण की गदा को कौमोदकी और शंख को पांचजन्य कहते थे। भगवान श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र का इस्तेमाल शिशुपाल को मारने के लिए और सूर्यास्त का भ्रम पैदा करने के लिए भी किया। भगवान श्रीकृष्ण के रथ का नाम जैत्र था। उनके सारथी का नाम दारुक बाहुक था। उनके घोड़ों का नाम शैव्य, सुग्रीव, मेघपुष्प और बलाहक था। कलारीपट्टु का प्रथम आचार्य श्रीकृष्ण को माना जाता है। इसी कारण नारायणी सेना सबसे प्रहारक सेना थी। भगवान श्रीकृष्ण देखने में अति सुंदर हैं और नयनाभिराम कहलाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण का रंग मेघश्यामल था और उनके शरीर से मादक गंध निकलती थी। भगवान श्रीकृष्ण अंतिम वर्षों को छोड़कर कभी भी द्वारिका में छह माह से अधिक नहीं रहे। भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न, कामदेव के अवतार थे। कर्ण वह पहले व्यक्ति थे जो श्रीकृष्ण के जन्म का रहस्य जानते थे। रासलीला में श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ नृत्य किया और गोपियों ने सोचा कि वह अकेले भगवान के साथ नृत्य कर रही हैं। कहा जाता है कि दही हांडी मनाने में गोविंदा माखन चुराने वाले बाल कृष्ण के प्रतीक हैं और उन्हें रोकने के प्रयास में पानी फेंकने वाले ब्रज की गोपियों का प्रतीक हैं।

फोटोशूट के दौरान बिगड़ा उर्फी जावेद का बैलेंस

बिग बॉस ओटीटी फेम एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपने बयानों और आउटफिट के चलते आए दिन सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। अब उर्फी जावेद का एक नया वीडियो सामने आया है जिसमें वह पर्पल कलर की खूबसूरत बैकलेस ड्रेस में नजर आ रही हैं। उर्फी जावेद का ये वीडियो जमकर शेयर किया जा रहा है, वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह उर्फी फोटोशूट के दौरान हील्स में गिरते–गिरते बचीं। उर्फी जावेद पर्पल कलर की इस ड्रेस में बला की खूबसूरत लग रही हैं और हाई हील्स में फोटोशूट करवाने के लिए जब वह फोटोग्राफर्स के सामने खड़ी थीं तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गिरते–गिरते बचीं। उर्फी जावेद ने खुद को संभाला और फोटोग्राफर्स से बोलीं– मैं गिर नहीं सकती। कमेंट सेक्शन में उर्फी जावेद को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, श्और कितना गिरोगी? एक अन्य यूजर ने लिखा, जो पहले से गिरी हुई है वो और क्या ही गिरेगी?श एक शख्स ने लिखा, श्ये लड़की इतनी मशहूर क्यों है? मुझे नहीं लगता कि वो किसी फिल्म से है या फिर उसने कुछ भी खास किया है। इसी तरह के ढेरों कमेंट उर्फी जावेद के इस वीडियो पर किए गए हैं। बता दें कि उर्फी जावेद रियलिटी टीवी शो बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा रही हैं। शो का सिर्फ एक ही सीजन अभी तक प्रसारित किया गया है। इस साल मेकर्स ने इस शो को नहीं लाने का फैसला किया है। उर्फी जावेद बिग बॉस ओटीटी से एलिमिनेट की जावे वाले पहली कंटेस्टेंट थीं।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म जोगी का फर्स्ट लुक रिलीज

दिलजीत दोसांझ एक ऐसे एक्टर और सिंगर है जिन्हें पंजाब के बाहर भी खूब पसंद किया जाता है। पंजाबी फिल्मों में अपने एक्टिंग का जलवा

दिखाने के बाद, दिलजीत दोसांझ अब बॉलीवुड में अपना कमाल दिखा रहे हैं। दिलजीत की फिल्म जोगी नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने को तैयार है। आज फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया गया फिल्म 16 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी। अली अब्बास जफर के डायरेक्शन में बनी फिल्म जोगी साल 1984 पर आधारित पर। फिल्म के बारे में दिलजीत कहते हैं साल 1984 में मेरा जन्म हुआ। मैंने 1984 के दंगों की कहानी सुनने के साथ ही साथ उन्हें रियल लाइफ में एक्सपीरियंस किया है। मैंने कुछ समय पहले श्पंजाब 1984श नाम की एक पंजाबी फिल्म बनाई थी जिसे नेशनल अवार्ड मिला। फिल्म का सब्जेक्ट मेरे लिए बहुत इम्पोर्टेन्ट होता है। फिल्म के लिए अली र्ने बिल्कुल सही सब्जेक्ट को चुना। फिल्म के टाइटल के बारे में दिलजीत हंसते हुए कहते है ये नाम अली स ने रखा है। जोगी फिल्म में मेरे रोल का नाम है। पोस्टर में दिलजीत काफी इंटेंस लुक में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में दिलजीत के अलावा भी कई और स्टार नजर आने वाले हैं। कुमुद मिश्रा, अमायरा दस्तूर , मोहम्मद जीशान अयूब, हितेन तेजवानी और परेश रावल भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्म का पोस्टर नेटफ्लिक्स के आधिकारिक सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। फिल्म के मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा श्हिम्मत का नाम जोगीश, श्उम्मीद का नाम जोगीश। इस कहानी में आपको दोस्ती, हिम्मत और उम्मीद सब कुछ एकसाथ देखने को मिलेगा। फिल्म हौसला रख की सफलता के बाद दिलजीत दोसांझ अपने म्यूजिक टूर के लिए यूएसए गए थे। जहां उनकी मुलाकात प्रियंका चोपड़ा और इंफ्लूएंसर लिली सिंह से हुई। प्रियंका चोपड़ा और लिली सिंह लॉस एंजिलिस में दिलजीत दोसांझ का म्यूजिक कॉन्सर्ट अटेंड करने आई थी। कॉन्सर्ट खत्म होने के बाद तीनों साथ मे काफी मस्ती वाले मूड में नजर आए। दिलजीत ने प्रियंका चोपड़ा और लिली सिंह के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा लव और रिस्पेक्ट सदियां कुड़ियान ते , जीना ने हॉलीवुड विच जा कर धाक पाई आ। कॉन्सर्ट के बाद की फोटो शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा बहुत कम ऐसी चीजें होती है जो आपको घर जैसी लगती है। खासकर उस वक्त जब आपके लोग, शहर में हो। थैंक यू लिली बेस्ट नाइटआउट आईडिया के लिए।

भाईजान के शूट में बिजी सलमान खान, लेह- लद्दाख से शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में जहां वो टाइगर 3 को लेकर खूब खबरों में थे तो इस बीच अब वो अपनी अपकमिंग फिल्म भाईजान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सलमान खान ने फिल्म भाईजान के शूटिंग सेट से एक तस्वीर शेयर की है, जिस में उनका नया लुक फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। तस्वीर में सलमान खान का स्वैग भी देखने को मिल रहा है और फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सलमान ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में सलमान खान लेह लद्दाख के किसी इलाके में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सलमान खान का क्लोज अप नहीं बल्कि लॉन्ग शॉट है और बैक पोज में वो नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सलमान खान लंबे बालों में नजर आ रहे हैं और साथ ही साथ गॉगल लगाए हुए उनका स्वैग दिख रहा है। तस्वीर में एक सुपरस्टाइलिश सिंगर सिटर क्रूजर बाइक भी नजर आ रही है। कैप्शन में सलमान ने लिखा– लेह लद्दाख। बता दें कि सलमान खान की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो गई है। फैन्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं और तेजी से रिएक्ट कर रहे हैं। सलमान खान के पोस्ट पर ढेर सारे ऐसे कमेंट्स हैं, जहां फैन्स उनके इस लुक की खूब तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स को सलमान का ये लुक काफी स्टाइलिश और हटकर लग रहा है। वहीं कुछ ने कमेंट किया है कि ये फिल्म बॉक्स

ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी। कई सेलेब्स ने भी इस पोस्ट पर रिएक्ट किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले 4 दिनों तक सलमान खान और पूजा हेगड़े लेह–लद्दाख की अलग–अलग लोकेशन्स पर शूटिंग करेंगे। इसके बाद सलमान वापस मुंबई आएंगे और कुछ एक्शन सीक्वेंस शूट करेंगे। शूटिंग अक्टूबर तक खत्म कर लिए जाने की उम्मीद है। जहां तक सिर्फ एक्शन सीक्वेंस का सवाल है तो इसे एक महीने के भीतर खत्म किया जाएगा। यानी सलमान खान की ये तस्वीर किसी रोमांटिक गाने के शूट के बीच क्लिक किया गया है। वहीं बात सलमान खान की करें तो उनका बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड भी काफी तगड़ा है। 300 करोड़ के क्लब में 4 फिल्में सिर्फ सलमान खान की हैं, हालांकि उनके हालिया रिलीज अंतिम और उसके पहले राधे कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। वहीं बात सलमान खान की करें तो श्दबंगश खान की अपकमिंग फिल्मों के खाते में किक 2, भाईजान, और नो एंट्री का सीक्वल शामिल है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान की पठान में भी सलमान खान का कैमियो होगा। याद दिला दें कि टाइगर 3 से सभी को काफी उम्मीदें हैं और कहा जा रहा है कि ये फिल्म नए रिकॉर्ड बनाएगी।

शार्ट ड्रेस में अनुष्का शर्मा ने शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें

ऐक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज पोस्ट की। अनुष्का के लेटेस्ट पोस्ट में ऐक्ट्रेस पार्क में एक बेंच पर बैठी दिख रही हैं। अनुष्का शर्मा ने यलो कलर की टॉप के साथ मैचिंग शॉर्ट और ब्राउन कलर फ्लैट्स और काले कलर की चश्मा पहन रखे हैं। शुरुआती दो फोटोज में अनुष्का शर्मा कैमरा से दूर साइड में देख रही हैं। वहीं अगली फोटो में अनुष्का चेहरे पर हाथ रखे आंखे बंद कर हंसती हुई दिख रही है। फोटो को शेयर करते हुए अनुष्का ने लिखा पार्क में टहलने से बेहतर क्या हो सकता है? हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा पति विराट कोहली और बेटी वामिका के साथ यूरोप ट्रिप से वापस आई है। यूरोप ट्रिप पर गए अनुष्का और विराट ने वहां पंहुचकर भारतीय खाने का जायका लिया। अनुष्का शर्मा प्रोसित रॉय के डायरेक्शन में बन रही फिल्म चकदा एक्सप्रेस में नजर आएंगी। फिल्म वीमेन्स टीम की फास्ट बॉलर झूलन गोस्वामी की लाइफ पर बेस्ड है। फिल्म ने अपने रोल के बारे में अनुष्का शर्मा ने कहा लोगों को झूलन गोस्वामी के बारे में और उनके सैक्रिफाइस के बारे में जानना चाहिए। झूलन ने क्रिकेटर बन देश के लिए खेलने का फैसला उस समय लिया जब औरतें स्पोर्ट्स को अपना करियर बनाने के बारे में सोचती भी नहीं थी। चकदा एक्सप्रेस फिल्म के जरिये अनुष्का शर्मा 4 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। फिल्म इस साल 10 नवंबर को रिलीज होगी।

रणबीर कपूर ने उड़ाया आलिया की प्रेग्नेंसी का मजाक!

सोशल मीडिया पर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दोनों स्टार्स फिल्म ब्रह्मास्त्र को प्रमोट नहीं करने के बारे में बात कर रहे हैं। इस वीडियो में आलिया–रणबीर फिल्म श्ब्रह्मास्त्रश के निर्देशक अयान मुखर्जी से बातचीत कर रहे हैं जिसमें अयान उनसे पूछ रहे हैं कि वह इस फिल्म का प्रमोशन क्यों नहीं कर रहे हैं? इस बातचीत के दौरान रणबीर कपूर आलिया भट्ट की प्रेग्नेंसी और उनके साइज पर मजाक करते दिखाई पड़े। जवाब में रणबीर कपूर कहते हैं कि वह इस फिल्म को तब से प्रमोट कर रहे हैं जब से इसे शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि फिल्म को इसके कॉन्टेंट के जरिए प्रमोट किया गया है कि न कि इसके एक्टर्स के जरिए। आलिया और रणबीर सिर्फ कलाकार हैं और फिल्म इन किरदारों से बहुत ज्यादा बड़ी है। इसके बाद आलिया भट्ट ने अपनी बात शुरू की।

राजू श्रीवास्तव के लिए हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं एहसान कुरैशी

स्टार कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की सेहत में अब सुधार देखने को मिल रहा है। राजू श्रीवास्तव की पत्नी शिखा और उनके मैनेजर मकबूल ने राजू की हालत स्टेबल होने की बात कही है। देशभर में राजू श्रीवास्तव के चाहने वाले उनकी सेहत और सलामती की दुआ कर रहे हैं। The Great Indian Laughter Challenge में राजू श्रीवास्तव के को–स्टार रहे एहसान कुरैशी ने बताया कि राजू के तमाम दोस्त उनके लिए हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। पिंकविला के साथ बातचीत में एहसान कुरैशी ने बताया, डॉक्टरों ने हार मान ली है। उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया है कि उन्होंने उन्हें (राजू को) बचाने के लिए हर संभव कोशिश की है, और अब कोई चमत्कार ही उन्हें बचा सकता है। उनके निधन के बारे में आ रही खबरें झूठी हैं। डॉक्टरों ने कहा है कि वह ब्रेन डेड हैं। उनकी हालत गंभीर है। हम सभी दोस्त उनके लिए दुआ कर रहे हैं

और कुछ देर पहले ही हम हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक एहसान कुरैशी ने कहा, श्मैं आखिरी बार उनसे ओशिवारा पुलिस स्टेशन के पास मिला था। मारीगोल्ड बिल्डिंग में उनका दफ्तर है। वह जब भी लखनऊ आया करते थे तो वह दोस्तों के साथ कॉफी पिया करते थे। मैं और सुनील पाल जब उनसे मिले थे तो हमने उनसे फिल्मों के लिए सब्सिडी का आवेदन करने के बारे में बात की थी। एहसान कुरैशी ने बताया कि राजू श्रीवास्तव की बेटी अंतरा की शादी होने वाली है और उनका बेटा बहुत यंग है। हम उनकी अच्छी सेहत के लिए दुआ कर रहे हैं। हम सभी को उनकी बहुत फिक्र है और शाम तक दिल्ली पहुंच जाएंगे। हम चाहते हैं कि राजू भाई जल्दी ठीक हो जाएं। बता दें कि राजू श्रीवास्तव की पत्नी ने लोगों से अफवाहों पर यकीन नहीं करने की बात कही है।

सलमान खान पर सोमी अली ने फिर लगाए संगीन आरोप

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अक्सर अलग अलग वजहों से खबरों में रहते हैं। वहीं कई बार वो सोमी अली द्वारा लगए गए आरोपों की वजह से भी चर्चा में रहते हैं। ऐसे में एक बार फिर सोमी अली ने बिना नाम लिए कथित तौर पर सलमान खान पर आरोप लगाए हैं। सोमी ने मैंने प्यार किया का एक पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है कि ये शख्स महिलाओं संग मारपीट करता है, इसे पूजना बंद करो। सोमी का ये पोस्ट चर्चा में आ गया है। सोमी अली ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है। सोमी के इस पोस्ट में उन्होंने फिल्म मैंने प्यार किया का पोस्टर शेयर किया है, जिस में सलमान खान के साथ ही भाग्यश्री नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ सोमी ने कैप्शन में लिखा, महिलाओं संग मारपीट करने वाला, और सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि कई और भी। इसको पूजना बंद करो प्लीज। ये मानसिक रूप से बीमार है।श बता दें जिस अकाउंट से ये पोस्ट किया गया है वो वेरिफाइड नहीं है, लेकिन इसे ही सोमी का असली इंस्टा अकाउंट कहा जाता है। बता दें कि सोमी ने इस पोस्ट में सिर्फ पोस्टर शेयर किया है, वहीं कैप्शन में उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिखा है, हालांकि सोमी पहले भी कई बार सलमान परआरोप लगा चुकी हैं, ऐसे में कहा जा रहा है कि इस बार भी उन्होंने सलमान का ही जिक्र किया है। इसके अलावा सोमी ने अपने इस इंस्टा पोस्ट में कमेंट्स को लिमिटिड रखा है, यानी हर कोई उनके इस पोस्ट पर कमेंट नहीं कर सकता है। याद दिला दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब सोमी ने बिना नाम लिए सलमान खान पर निशाना साधा है। इससे पहले भी सोमी कई बार ऐसा कर चुकी हैं। मार्च में सोमी ने सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' का सिलआउट फोटो शेयर करते हुए लिखा

था, बॉलीवुड का हार्वी विंस्टन। तुम एक दिन एक्सपोज होगे। जिन महिलाओं का तुमने शोषण किया एक दिन वो बाहर आएंगी और अपनी सच्चाई शेयर करेंगी, जैसे ऐश्वर्या राय. ..'। अपने पोस्ट में सोमी ने ऐश्वर्या को भी टैग किया था। याद दिला दें कि कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि रिलेशनशिप के दौरान सलमान खान ने ऐश्वर्या राय के साथ सेट पर मारपीट की थी। गौरतलब है कि सोमी अली ने कुछ इंटरव्यूज में ऐसा दावा किया है कि वो सलमान खान के साथ रिलेशनशिप में थीं लेकिन एक्टर ने उन्हें धोखा दिया। सोमी का कहना था कि वे अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं। उनकी अब सलमान से बात नहीं होती। सोमी अली पहले कई इंटरव्यूज में बता चुकी हैं कि वह भारत सिर्फ सलमान खान से शादी करने के लिए आई थीं। वह 1991 से 1998 तक हिंदी फिल्मों में नजर आईं। सलमान से ब्रेकअप के बाद वह 1999 में यूएस चली गई थीं।